हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 202, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 23 जनवरी, 2024 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

अयोध्या : राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हुए रामलला

राम भारत की आस्था हैं, भारत के आधार हैं, हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे, प्रभु दिव्य मंदिर में रहेंगे : पीएम मोदी

अयोध्या। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हो गई है। 500 वर्षों से अधिक का इंतजार खत्म हो गया है। रामलला राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी मां शबरी कब से कहती थी- राम आएंगे। प्रत्येक भारतीय में जन्मा यही विश्वास समर्थ, सक्षम, भव्य भारत का आधार बनेगा। हम सब जानते हैं कि निषाद राज की मित्रता सभी बंधनों से परे है। उनका अपनापन कितना मौलिक है। सब अपने हैं, सभी समान हैं। सभी भारतीयों में अपनत्व की भावना नए भारत का आधार बनेगी। यही देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार है। आज देश में निराशावाद की जगह नहीं है। अगर कोई यह सोचे कि मैं सामान्य और छोटा हूं तो उसे गिलहरी को याद करना चाहिए। यह सिखाएगा कि छोटे-बड़े हर प्रयास की ताकत होती है, योगदान होता है। यही भावना समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत का आधार बनेगी।

उन्होंने कहा कि लंकापति ज्ञानी रावण ज्ञानी थे, लेकिन जटायु कि मूल्य निष्ठा देखिए। वे महाबली रावण से भिड़ गए। उन्हें पता था कि वे परास्त नहीं कर पाएंगे, फिर भी उन्होंने रावण को चुनौती दी। कर्तव्य की यही परकाष्ठा समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत का आधार है। आइए हम संकल्प लें कि राम काज से राष्ट्र काज करेंगे। समय का पल-पल, शरीर का कण-कण इसमें लगा देंगे।

न्याय के पर्याय श्रीराम का मंदिर भी न्यायबद्ध तरीके से बना

पीएम मोदी ने कहा कि दैवीय आशीर्वाद और दिव्य आत्माओं की वजह से यह कार्य पूरा हुआ है। मैं इन सभी दिव्य चेतनाओं को भी नमन करता हूं। मैं आज प्रभु श्रीराम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे पुरुषार्थ, हमारे त्याग, तपस्या में कुछ तो कमी रह गई होगी कि हम इतनी सदियों तक ये कार्य कर नहीं पाए। आज वो कमी पूरी हुई है। मुझे विश्वास है कि प्रभु राम आज हमें अवश्य क्षमा करेंगे। लंबे वियोग से आई आपत्ति का अंत हो गया। त्रेता युग में तो वह वियोग केवल 14 वर्षों का था, तब भी इतना असह्य था। इस युग में तो अयोध्या और देशवासियों ने सैकड़ों वर्षों का वियोग सहा है। हमारी कई-कई पीढ़ियों ने वियोग सहा है। भारत के तो संविधान की पहली प्रति में भगवान राम विराजमान है। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु राम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं भारत की न्यायपालिका का आभार व्यक्त करूंगा, जिसने न्याय की लाज रख ली। न्याय के पर्याय प्रभु राम का मंदिर भी न्यायबद्ध तरीके से ही बना।

लंबे वियोग से आई आपत्ति का अंत हो गया: मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि दैवीय आशीर्वाद और दिव्य आत्माओं की वजह से यह कार्य पूरा हुआ है। मैं इन सभी दिव्य चेतनाओं को भी नमन करता हूं। मैं आज प्रभु श्रीराम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे पुरुषार्थ, हमारे त्याग, तपस्या में कुछ तो कमी रह गई होगी कि हम इतनी सदियों तक ये कार्य कर नहीं पाए। आज वो कमी पूरी हुई है। मुझे विश्वास है कि प्रभु राम आज हमें अवश्य क्षमा करेंगे। लंबे वियोग से आई आपत्ति का अंत हो गया। त्रेता युग में तो वह वियोग केवल 14 वर्षों का था, तब भी इतना असह्य था। इस युग में तो अयोध्या और देशवासियों ने सैकड़ों वर्षों का वियोग सहा है। हमारी कई-कई पीढ़ियों ने वियोग सहा है। भारत के तो संविधान की पहली प्रति में भगवान राम विराजमान है। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु राम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं भारत की न्यायपालिका का आभार व्यक्त करूंगा, जिसने न्याय की लाज रख ली। न्याय के पर्याय प्रभु राम का मंदिर भी न्यायबद्ध तरीके से ही बना।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर मात्र एक दैव मंदिर नहीं है, यह भारत की दृष्टि का, दर्शन का, दिग्दर्शन का मंदिर है। यह राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, भारत के आधार हैं। राम भारत का विचार है, विधान हैं। चेतना है, चिंतन हैं। प्रतिष्ठा हैं, प्रताप हैं। राम नेकी भी है, नीति भी है। नित्यता भी है, निरंतरता भी हैं। राम व्यापक हैं, विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। जब राम की प्रतिष्ठा होती है तो उसका प्रभाव वर्षों, शताब्दियों तक नहीं होता, हजारों वर्षों के लिए होता है। आज अयोध्या भूमि सवाल कर रही है कि श्रीराम का भव्य मंदिर तो बन गया, अब आगे क्या। सदियों का इंतजार तो खत्म हुआ, अब आगे क्या। जो दैवीय आत्माएं हमें आशीर्वाद देने उपस्थित हुई हैं, उन्हें क्या हम ऐसे ही विदा करेंगे। आज मैं पूरे पवित्र मन से महसूस कर रहा हूं कि कालचक्र बदल रहा है। हमारी पीढ़ी को कालजयी शिल्पकार के रूप में चुना गया है। हजारों वर्ष बाद की पीढ़ी हमें याद करेगी। यही समय है, सही समय है। हमें आज इस पवित्र समय से अगले एक हजार साल के भारत की नींव रखनी है। मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर सभी देशवासी समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत के निर्माण की सौगंध लेते हैं। राम के विचार जनमानस में भी हों, यही राष्ट्र निर्माण की सीढ़ी है। हमें चेतना का विस्तार देना होगा। हनुमान जी की भक्ति, उनकी सेवा, उनका समर्पण ऐसे गुण हैं, जिन्हें हमें बाहर नहीं खोजना पड़ता। प्रत्येक भारतीय में भक्ति, सेवा के भाव आधार बनेंगे। यही है देव से देश, राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार।

पीएम मोदी ने कहा कि आज शाम घर-घर राम ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारी है। कल मैं श्रीराम के आशीर्वाद से राम सेतु के आरंभ बिंदु पर था। जिस घड़ी प्रभु श्रीराम समुद्र पार करने निकले थे, वह पल था, जिसने कालचक्र बदला था। उसे महसूस करने का विनम्र प्रयास था। अब कालचक्र फिर बदलेगा और शुभ दिशा में बढ़ेगा। अपने 11 दिन के व्रत अनुष्ठान के दौरान मैंने उन स्थानों का चरण स्पर्श करने का प्रयास किया, जहां प्रभु श्रीराम के चरण पड़े थे। चाहे नासिक हो, केरल हो, रामेश्वरम हो या फिर धनुषकोडी, मेरा सौभाग्य है कि सागर से सरयू तक की यात्रा का अवसर मिला। सागर से सरयू तक रामनाम का वही उत्सव छाया हुआ है। प्रभु राम तो भारत की आत्मा के कण-कण से जुड़े हुए हैं।

मंदिर वहीं बना है जहां बनाने का संकल्प लिया था : योगी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पूरी हो चुकी है। गर्भगृह में मंत्रोच्चार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूजा-अर्चना की। इस दौरान पीएम मोदी के साथ गर्भगृह में कई अन्य गणमान्य भी मौजूद रहे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में लाखों की संख्या में लोग राम मंदिर पहुंचे। सीएम योगी ने मंच पर संबोधित करते हुए कहा कि मंदिर वहीं बना है जहां संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि 5 सदी से इसका इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि अब अयोध्या में कर्फ्यू नहीं लगेगा। उन्होंने कि राम मंदिर निर्माण का सभी को इंतजार था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मंदिर वहीं बन रहा है जहां बनाने का संकल्प लिया था।

राम आग नहीं, ऊर्जा हैं... राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं

पीएम मोदी ने कहा कि राम के इस काम में कितने ही लोगों ने त्याग और तपस्या की। अनगिनत लोगों, कारसेवकों, संत-महात्माओं के हम सब ऋणि हैं। आज का अवसर उत्सवता का क्षण तो है ही, लेकिन यह क्षण भारतीय समाज की परिपक्वता के बोध का भी क्षण है। यह अवसर सिर्फ विजय का नहीं, विनय का भी है। दुनिया का इतिहास साक्षी है कि कई राष्ट्र अपने इतिहास में उलझ जाते हैं, जब देशों ने उलझी हुई गांठों को खोलने का प्रयास किया तो उन्हें सफलता पाने में कठिनाई आई है, लेकिन हमारे देश ने इतिहास की इस गांठ को जिस गंभीरता और भावुकता के साथ खोला है, यह बताता है कि हमारा भविष्य, हमारे अतीत से सुंदर होने जा रहा है। वो भी एक समय था, जब कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। ऐसे लोग भारत के सामाजिक भाव की पवित्रता को नहीं जानते थे। रामलला के इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव का प्रतीक है। हम देख रहे हैं कि निर्माण किसी आग को नहीं, बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है। अपनी सोच पर पुनर्विचार कीजिए, राम आग नहीं हैं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, राम सबके हैं। राम वर्तमान ही नहीं, राम अनंत हैं।

...ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है: पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हुआ राष्ट्र ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है। आज से हजार साल बाद भी आज की इस तारीख और पल की चर्चा करेंगे। यह कितनी बड़ी रामकृपा है कि हम सब इस पल को जी रहे हैं, इसे साक्षात घटित हो रहे हैं। आज दिन-दिशाएं, दिग-दिगंत, सब दिव्यता से परिपूर्ण हैं। ये समय सामान्य नहीं है, यह काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रही अमिट स्मृति रेखाएं हैं। साथियों हम सब जानते हैं कि जहां राम का काम होता है, वहां पवन पुत्र हनुमान अवश्य विराजमान होते हैं। इसलिए मैं रामभक्त हनुमान और हनुमान गढ़ी, माता जानकी, अयोध्या पुरी और सरयू को भी प्रणाम करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि 22 जनवरी 2024 का यह सूर्य अद्भुत आभा लेकर आया है। यह कैलेंडर पर लिखी तारीख नहीं, यह एक नए कालचक्र का उद्गम है। राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। निर्माण कार्य देख देशवासियों में हर दिन नया विश्वास पैदा हो रहा है। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है। आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्राण प्रतिष्ठा के बाद समारोह के लिए आए अतिथियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सियावर रामचंद्र की जय! आपको सबको प्रणाम, सबको राम-राम! आज हमारे राम आ गए हैं। सदियों की प्रतिक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों का अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं। इस शुभ घड़ी की आप सभी को, समस्त देशवासियों को बधाई। मैं गर्भ गृह में ईश्वरीय चेतना का साक्षी बनकर आपके सामने उपस्थित हुआ हूं। कितना कुछ कहने को है, लेकिन कंठ अवरूद्ध है, शरीर स्पंदित है, चित्त अभी भी उस पल में लीन है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास है, अपार श्रद्धा है, जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश और विश्व के कोने-कोने में राम भक्तों को हो रही होगी। यह क्षण आलौकिक है। यह पल पवित्रतम है। यह माहौल, वातावरण, यह घड़ी, प्रभु श्रीराम का हम सब पर आशीर्वाद है।

मंदिर परिसर में हेलिकॉप्टर से की गई पुष्प वर्षा... संगीत वाद्ययंत्रों से बजती रही रामधुन

अयोध्या। अयोध्यानगरी में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम जारी है। इस अवसर पर सेना के हेलीकॉप्टर ने मंदिर परिसर में पुष्प वर्षा की। इसका वीडियो भी सामने आया है। हेलीकॉप्टर ने मंदिर परिसर के ऊपर कई राउंड घूमा। उस दौरान उससे पुष्प वर्षा होती रही। प्राण प्रतिष्ठा में राम जन्मभूमि मंदिर में 30 कलाकार भारतीय संगीत वाद्ययंत्र बजा रहे हैं। सभी मेहमानों के हाथों में घंटियां हैं। जिन्हें वह आरती के दौरान बजाएंगे। पूरा परिसर रामधुन में रमा हुआ है। बताया गया कि सभी संगीतकार एक सुर में अपने वाद्ययंत्र बजाते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पहुंच गए हैं। वह मंदिर में अनुष्ठान कर रहे हैं। इस ऐतिहासिक समारोह में देश के सभी प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। समारोह में विभिन्न आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों सहित सभी क्षेत्रों के लोग भी शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इस विशिष्ट सभा को संबोधित करेंगे। प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दोपहर में अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा। सामान्यतः प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सात अधिवास होते हैं। वहीं कम से कम तीन अधिवास प्रचलन में होते हैं। अनुष्ठान का संचालन 121 आचार्य कर रहे हैं। गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ देखरेख करेंगे। अनुष्ठान और प्राण प्रतिष्ठा की सभी कार्यवाही का समन्वय और निर्देशन प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में हो रही है। भारतीय अध्यात्मवाद के सभी विद्यालयों के आचार्य, धर्म, संप्रदाय, पूजा पद्धति, परंपरा, 150 से अधिक परंपराओं के संत, महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, श्रीमहंत, महंत, नागा, साथ ही 50 से अधिक आदिवासी, गिरिवासी, टाटावासी, द्विपवासी आदिवासी परंपराएं भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर के परिसर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखने के लिए मौजूद रहेंगे। पहाड़ों, जंगलों, तटीय बेल्टों, द्वीपों आदि के लोगों द्वारा प्रतिनिधित्व की जा रही जनजातीय परंपराओं की उपस्थिति हाल के इतिहास में पहली बार हो रही है।

आचार्य सत्येंद्र दास बोले- प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम राज्य की होगी शुरूआत, 'आज खत्म हो गई असमानता'

अयोध्या। रामलला की नगरी में आज प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक कार्यक्रम होना है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम से पहले राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम राज्य की भी शुरूआत होगी। आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के साथ आज राम राज्य की शुरूआत होने जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आज असमानता खत्म हो गई है। आचार्य ने कहा कि अयोध्या से जो बदलाव आया है वह बदलाव अब पूरे देश में देखने को मिलेगा। कहा कि इस बदलाव के साथ देश में हर कोई बहुत प्रेम से रहेगा और यह बहुत सुंदर होगा। आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि अब देश में हर कोई पूरे सद्भाव से रहेगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का आशीर्वाद सभी पर बनेगा रहेगा। आचार्य सत्येंद्र दास कहते हैं कि देश में सब कुछ अच्छा हो रहा है। अयोध्या को लेकर राम भक्तों ने जो भी सपना देखा था वह आज पूरा हो रहा है। जैसे ही रामलाल विराजमान होंगे तो सभी कठिनाइयां खत्म हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या का यह ऐतिहासिक दिन सोमवार यानी 22 जनवरी को इतिहास के पन्नों पर हमेशा के दर्ज हो जाएगा। उन्होंने बताया कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पौष मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को तय है, जो कि आज 22 जनवरी 2024 को यह कार्यक्रम हो रहा है।

सपने के पूरा होते ही आंसू नहीं रोक पाईं साध्वी ऋतंभरा और उमा भारती, गले लगकर खूब रोईं

अयोध्या। जब जीवन का सबसे बड़ा सपना पूरा होता है तो उसकी खुशी को बयां करने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शुमार रहीं साध्वी ऋतंभरा और उमा भारती भी भव्य राम मंदिर को अपनी आंखों के सामने देख अपने आंसू नहीं रोक पाई और दोनों नेता गले लगकर खूब रोईं। दोनों की तस्वीरें सामने आईं हैं। 6 दिसंबर 1992 को जब अयोध्या में लाखों कारसेवक पहुंचे थे तो कारसेवकों की भीड़ का नेतृत्व करने वालों में साध्वी ऋतंभरा और उमा भारती भी शामिल थीं। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है और रामलला के दिव्य और आलौकिक दर्शन हो गए हैं। इसके साथ ही भगवान राम का करीब 500 सालों का 'वनवास' भी खत्म हो गया है। राम मंदिर के आंदोलन के अगुआ रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। राम मंदिर आंदोलन से जुड़े कई अन्य प्रमुख लोग भी इस अयोध्या में शामिल नहीं हुए। प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम मंदिर में मौजूद जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा 'भारत के संविधान की पहली प्रति में भगवान राम विराजमान हैं। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं भारत की न्यायपालिका का आभार व्यक्त करूंगा, जिसने न्याय की लाज रखी।' प्रधानमंत्री ने कहा 'गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हुआ राष्ट्र, अतीत के हर दंश से हौसला लेता हुआ राष्ट्र ही नए इतिहास का सृजन करता है। आज से हजार साल बाद भी लोग आज की तारीख को याद करेंगे और आज के इस पल की चर्चा करेंगे।'

संपादकीय

एंटीबायोटिक्स के खतरे

आज भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में एंटीबायोटिक्स दवाओं का अंधाधुंध सेवन लोगों के स्वास्थ्य के लिये एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। दरअसल, इनके अत्यधिक प्रयोग से शरीर में रोगाणुओं से प्रतिरोध की क्षमता को खतरा पैदा होता जा रहा है। भारत के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय यानी डीजीएचएस ने डॉक्टरों और फार्मासिस्टों को सलाह दी है कि दवाओं का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें। जहां तक हो सके अधिक तीव्र क्षमता वाली एंटीबायोटिक्स दवाएं मरीजों को देने से परहेज करें। डॉक्टरों से कहा गया है कि रोगाणुरोधी दवाएं लिखते समय संकेत,कारण और औचित्य का स्पष्ट रूप से उल्लेख करें। क्योंकि कहा भी गया है अति सर्वत्र वर्जयेत?। दरअसल, इन दवाओं में एंटीबॉयोटिक्स, एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीपैरासिटिक्स दवाएं शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि एंटीबायोटिक्स औषधि नियम 1945 की अनुसूची एच और एच-1 के अनुसार केवल पंजीकृत चिकित्सा पेशेवर ही ऐसी दवाओं को लेने के लिये परामर्श दे सकते हैं। हालांकि, नियम को लागू करने में सख्ती के अभाव तथा लोगों में जागरूकता की कमी के चलते ये दवाएं मेडिकल स्टोरों पर बिना डॉक्टरी परामर्श के भी बेची जाती हैं। यही वजह है कि रोगाणुरोधी दवाओं के अत्यधिक सेवन व बिना डॉक्टरी परामर्श के दिये जाने से लोगों में रोगप्रतिरोधक क्षमता में गिरावट आती है। कालांतर शरीर में रोगाणुओं के हमले पर ये दवाएं काम नहीं करती। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में वैश्विक स्तर पर बैक्टीरियल एएमआर 12.7 लाख मौतों के लिये जिम्मेदार था , जबकि 49.5 लाख मौतें दवा प्रतिरोधी संक्रमण से जुड़ी थीं। दरअसल, भारत के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने इस बात का उल्लेख किया है कि एएमआर प्रतिरोधी रोगाणुओं के कारण होने वाले संक्रमण की प्रभावी रोकथाम और उपचार को खतरे में डालता है, जिसके परिणामस्वरूप लंबी बीमारी होती है और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एएमआर पर रेड लाइन जागरूकता अभियान आरंभ किया था। जिसमें रोगियों व उनके परिजनों से बिना डॉक्टरी परामर्श के लाल खड़ी रेखा से चिन्हित दवाएं उपयोग न करने के लिये कहा गया था। अमेरिका में एक अध्ययन के बाद आई रिपोर्ट में भारत की इस पहल की सराहना की गई थी। इस रिपोर्ट में सलाह दी गई थी कि यदि आवश्यक हो तो एंटीबायोटिक्स पैकेजिंग के लिये इसके लेबलिंग में सुधार किया जा सकता है। ऐसी मुहिम विश्व स्तर पर शुरू की जानी चाहिए। निस्संदेह, विषय की गंभीरता को देखते हुए मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि पिछले आठ साल में इस अभियान के परिणाम कैसे आए हैं। क्या उन खामियों को दूर किया गया जो इसकी प्रभावशीलता में बाधक बन रही थीं। निश्चित रूप से इससे जुड़े हितधारकों मसलन डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, फार्मा कंपनियों और ग्राहकों को एंटीबायोटिक्स दवाओं के अंधाधुंध नुस्खे लिखने, बिक्री और उपयोग पर अंकुश लगाने के लिये जारी दिशानिदेर्शों और नियमों का पालन करना चाहिए। साथ ही भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा स्थापित एएमआर निगरानी और अनुसंधान नेटवर्क को मजबूत करने की जरूरत है।

अब उत्तर भारत पहाड़ों का मोहताज नहीं

उत्तर भारत इन दिनों अंटार्टिका हो लिया है जी, वैसे ही जैसे बारिश के दिनों में दिल्ली वेनिस बन गयी थी और पहाड़ों पर बादल फटने से जाने कितने नए चेरापूंजी बन गए थे। यह वैसे ही हुआ जैसे गर्मी में उत्तर भारत रेगिस्तान से भी ज्यादा तपता है। खैरजी, अब मौसम सर्दी का है तो सर्दी की ही बात कर लेते हैं। अभी तक हमें यह लगता था कि सर्दी पहाड़ों पर बर्फ गिरने से बढ़ती है। पर ऐसा कुछ भी नहीं है। इधर उत्तर भारत पहाड़ों का मोहताज नहीं रहा। सर्दी के मामले में वह आत्मनिर्भर हो गया है, वैसे ही जैसे कई गरीब देश अमेरिका के मोहताज न रहकर आत्मनिर्भर हो जाते हैं। प्रमाण सामने है जी। पहाड़ों पर तो बर्फ नहीं गिर रही। लेकिन उत्तर भारत में सर्दी जमकर पड़ रही है। उत्तर भारत में सर्दी का मौसम पहाड़ों से मुक्त हो लिया है। इसे खुशखबरी की तरह प्रचारित किया जा सकता है, डोंडी पिटवाई जा सकती है। बशर्ते रजाई से निकलने का बूता आप में हो। अब इसे पुरानी मान्यता घोषित कर दिया जाना चाहिए कि पहाड़ों पर बर्फ गिरेगी तो सर्दी बढ़ेगी। देख लो पहाड़ों पर तो बर्फ गिर नहीं रही है। सर्दी फिर भी बढ़ रही है। एक मान्यता यह भी थी कि मैदानों में बारिश होगी तो सर्दी बढ़ेगी। लेकिन बारिश न होने के बावजूद सर्दी बढ़ रही है। देख लेना साहबो, एक दिन वह भी आएगा और लगता है कि जल्द ही आएगा, जब गर्मी का मौसम भी रेगिस्तान से मुक्त हो लेगा। रेगिस्तान तो बेशक नहीं तप रहा होगा, पर दिल्ली, चंडीगढ़, लखनऊ, पटना सब तप रहे होंगे। मौसमों की यह स्वतंत्रता ठीक नहीं है जी। स्वतंत्र होकर वे बेरहम हो रहे हैं। बेलगाम हो रहे हैं। उद्दंड हो रहे हैं। चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बारिश हो। सर्दी को यह परवाह नहीं कि लोग शीत लहर से मर रहे हैं, गर्मी को यह परवाह नहीं कि लोग लू से मर रहे हैं, बारिश को यह परवाह नहीं लोग बाढ़ से तबाह हो रहे हैं। अरे भाई तुम सरकार थोड़े ही हो कि किसी की परवाह ही न करो। बेरहम बने रहो। लापरवाह बने रहो। मौसम हो, कुछ रहमदिली तो होनी चाहिए न। वैसे भी रेगिस्तान में लू से मरने वालों के बारे में आपने नहीं सुना होगा, वैसे ही जैसे पहाड़ों में शीतलहर से मरते किसी को नहीं सुना होगा। यह विशेषाधिकार सिर्फ हमें ही हासिल है। शीतलहर से टें बोलेंगे तो हमीं बोलेंगे और लू से मरेंगे तो भी हमीं मरेंगे। यह इसलिए होता है कि ताकि दानवीरों को दान का और धमार्दा करने वालों को शीतलहर में कंबल बांटकर और गर्मियों में प्याऊ लगा कर धमार्दे का सवाब मिलता रहे। बतर्ज साहिर कहा जाए तो जिन्हें इतनी प्यारी है, दिल्ली की सर्दी, वो कहां हैं। रजाई से जरा निकलकर तो दिखाओ।

हमारी विरासत को संजोता श्रीराम मंदिर

प्रज्ञा पाण्डेय

राम मंदिर से देश की राष्ट्रीय, सांस्कृतिक एकता और अखंडता सुदृढ़ होगी एवं समस्त विश्व में भारत विश्व बन्धुत्व का संदेश देगा और भारतीय जनमानस का आत्मबल बढ़ेगा। राम मंदिर का निर्माण भारतीय संस्कृति के उत्थान में प्रमुख स्थान रखता है। हमारा देश सदियों से गुलामी की जंजीरों में न केवल जकड़ा रहा बल्कि विदेशी आक्रांताओं ने केवल भारत को लूटा अपितु उसकी संस्कृति को नष्ट भ्रष्ट करने की भी कोशिश की। प्राचीन काल में मंदिरों केवल पूजा स्थल ही नहीं थे बल्कि गुरूकुल जैसा वातावरण रहता था। इन गुरुकुलों में शिष्य मंदिर की भूमि पर न केवल खेती करते बल्कि वहीं सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक सभी आयामों के कला कौशल का ज्ञान प्राप्त करते थे।

श्रीराम मंदिर नए भारत का प्रतीक होगा जो भारत को एक बार फिर विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता देगी। श्रीराम चंद्र की नगरी अयोध्या बाकी दुनिया के लिए प्रेरणा स्रोत होगी। श्रीराम मंदिर हिंदुओं की आस्था से जुड़ा मामला है। हम हिन्दुओं के श्रद्धेय भगवान श्रीराम मयार्दा पुरूषोत्तम थे, आज विश्व में शांति की स्थापना के लिये उसी मयार्दा की जरूरत है। राम का चरित्र अनुकरणीय है और उनका जीवन ही विश्व का उत्थान कर सकता है। विश्व प्रसिद्ध तकनीक एवं अद्वितीय शैली से बने मंदिर को देखने के लिए देश विदेश से करोड़ों पर्यटक आएंगे। पर्यटकों के आने से शहर के धर्मशाला, होटल, रेस्टारेन्ट, परिवहन और कलाकृति प्रत्येक क्षेत्र का विकास होगा। यही नहीं आने वाले पर्यटक भी अयोध्या से लौट कर भी हमारी परम्परा व संस्कृति का गुणगान करेंगे। प्रभु श्रीराम का जन्म अयोध्या में होना एक प्रतीक मात्र है। वह तो इस पूरी सृष्टि के आधार हैं। वह आदर्श पुरुष ही नहीं बल्कि मयार्दाओं को स्थापित करने वाले मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हैं। वह एक आदर्श पुत्र और राजा भी हैं। इसलिए श्रीराम के रामराज्य को सभी लोग हर युग में आदर्श मानकर उसे स्थापित करने का प्रयास करते हैं। रामराज्य का अर्थ एक व्यक्ति का शासन नहीं बल्कि एक आदर्श शासन की स्थापना है, जिसमें राजा और प्रजा दोनों एक दूसरे के पूरक हों। राजा एक पिता की तरह अपनी प्रजा का पालन करें तो समस्त प्रजा सुख की अनुभूति करते हुए अपने पिता तुल्य राजा के प्रति समर्पित एवं विश्वास से परिपूर्ण हो।

श्री राम सारे विश्व के लिए हितकारी, कल्याणकारी और लाभदायक है। भगवान वाल्मीकि ने श्रीमद् वाल्मीकीय रामायण में भगवान रामचंद्र के अनेक गुणों का वर्णन करते हुए उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम से सुशोभित किया है क्योंकि वह सहनशीलता, धैर्य, सहयोग, प्यार, क्षमा, वीरता के गुणों से संपन्न थे। राम पूरी मानव जाति को प्रेरणा देने वाले आदर्श हैं और वह सृष्टि के प्राण हैं। सभी मापदंडों में आदर्श स्थापित करने के कारण ही अर्थव्यवस्था एवं राजनीति में राम राज्य की परिकल्पना की जाती है। भगवान राम भारतवर्ष की आत्मा हैं। उन्हें भारत से अलग नहीं रखा जा सकता। अयोध्या में श्रीराम का मंदिर बनना भारतीय संस्कृति एवं सनातन धर्म की रक्षा के लिए भी आवश्यक है। मंदिर निर्माण हो रहा है तो धर्म की विजय पताका भी जोरों से फैल रही है। मंदिर निर्माण का उद्देश्य भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को भगवान राम के आदर्शों से परिचित कराना भी है। अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मंदिर सदियों तक पूरी मानव जाति को धर्म का आचरण करने को प्रेरित करता रहेगा। मानव जीवन के हर क्षेत्र में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम प्रेरणा स्त्रोत एवं आदर्श हैं। प्रभु श्रीराम लोगों के जीवन रूपी नइया को पाप रूपी अंधकार से धर्म रूपी उजाले की ओर ले जाते हैं। भगवान राम का जीवन हर युग में आदर्श एवं प्रासंगिक रहा है। उनके आदर्शों की प्रासंगिकता आज और भी अधिक बढ़ जाती है। उनके आदर्श हमारे जीवन पथ को प्रशस्त करते हैं। संसार का कोई भी प्रश्न ऐसा नहीं है जिसका व्यवहारिक आदर्श उत्तर राम ने अपने आचरण से नहीं दिया हो। उनके जीवन में संपूर्ण संसार समाया हुआ है। वह ऐसे अवतार हैं जिन्होंने अपनी वाणी से नहीं बल्कि आचरण से जीवन दर्शन को प्रस्तुत किया। असाधारण होकर भी अपने साधारण जीवन से पूरे संसार का नेतृत्व किया। भगवान राम भारतीय संस्कृति के ऐसे नायक है जिन्होंने समाज के सुख-दुख और उसकी रचना को बहुत नजदीक से देखा और समझा है। अयोध्या के राजकुमार और राजा से भी अधिक बड़ी भूमिका इस जननायक में दिखाई देती है। भगवान राम ने राष्ट्र के सोए हुए भाग्य को जगाने का काम किया।

श्री राम चंद्र जी ने अपने शासनकाल में लोगों को हर तरह की सुविधा मुहैया करने के लिए एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना की, जिसे सदियों से राम राज्य कहा गया है, जहां किसी भी तरह का भेदभाव और शोषण नहीं होता था। इसलिए समस्त भारत में बरसों से लोग राम लीलाएं बड़ी खुशी और श्रद्धा से करते आए हैं। प्रभु श्रीराम का आज्ञाकारी पुत्र के रूप में होना, भाइयों का आपसी प्यार, पत्नी का पति के प्रति पूर्ण समर्पण तथा स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज के निर्माण का संदेश वर्तमान युग के लिए बड़ा महत्वपूर्ण स्थान रखता है। राम एक आदर्श पुरुष रूप में जन-जन में समाए हुए हैं। यही नहीं प्रभु श्रीराम हमारी सोच में बसे हुए हैं। भगवान राम ने अपने जीवन में किसी भी चीज का मोह नहीं रखा और त्याग को सर्वोपरि माना। भगवान राम ने राजपाट का ही नहीं, अपनी पत्नी प्रिय सीता का लोक-संग्रह के लिए त्याग कर दिया। राम मंदिर भारतीय संस्कृति की समृद्ध परम्परा का प्रतीक है। राम की सुंदर छवि के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है।

दोयम दर्जा नागरिक बनाने की नर्सरियां

राजेश रामचंद्रन

राम मंदिर को लेकर चंहुओर बना अति उत्साह इतना अधिक है कि 75वें गणतंत्र दिवस के समारोह की खबरें सुनाई नहीं दे रही हैं। एक छोटा उदाहरण बताएं तो नोएडा स्थित सिविल सर्वेंट्स को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी ने भी 22 जनवरी को अपने परिसर के भीतर एक मंदिर का उद्घाटन करने की घोषणा की है, अब लेखाकार विभाग से सेवानिवृत्त अनेक अधिकारी धार्मिकता और आधुनिकता के बीच संतुलन साधने को लेकर हैरान हैं।

मंदिर राजनीति से इतर, गणतंत्र दिवस की हीरक जयंती अवसर है ठिठककर मुल्क की स्थिति का जायजा लेने का। चांद पर लैंडिंग, उत्तरी एवं पूर्वी सीमाओं पर सैनिकों की आमने-सामने डटने की स्थिति, यूक्रेन युद्ध से बिगड़ता नाजुक राजनयिक संतुलन, पश्चिम एशिया में टाइम-बम सरीखे हालात और विश्वभर में गिरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच यदि भारतीय व्यवस्था कायम है तो यह चमत्कार किसी को भी हैरान होने को मजबूर करेगा। यह उपलब्धि विचारणीय और बाध्यकारी अवयवों के आलोक में छोटी नहीं है जबकि आजादी के पहले ही दिन से इन्होंने राष्ट्र को जन-कलहों की ओर धकेलना शुरू कर दिया था। संकुचित होते और नए उभरते साम्राज्य ने भारत के टुकड़े करने की साजिश रची और देश के प्रत्येक हिस्से में पृथकतावाद के बीच बोए। लेकिन जो शुरूआत अच्छी तरह सोची-समझी योजना से हुई वह अब तमाशे में तब्दील होती जा रही है। मसलन, औपनिवेशिक काल में, 1942 में अधिकारी सिद्धांत जैसे विचारों ने धार्मिक पृथकतावाद को न्यायसंगत बताने की बहुतेरी कुतार्किक कोशिशें की, यहां तक कि अभी भी कट्टर मार्क्सवादी अपनी बेवसाइट्स चलाने की खातिर पश्चिमी या चीनी वित्तीय सहायता पर निर्भर हैंझ यह बताने की आवश्यकता नहीं कि डंकी रूट के जरिये आप्रवासियों को अमेरिका में राजनीतिक शरण पाने की खातिर अमृतपाल सिंह की वीडियो फैलाने और खालिस्तानी नारे लगाने को कहा जाता है।

भारतीय गणतंत्र और संविधान ने अपना मुकाम पाने को बहुत संघर्ष किया, कठिनाइयां सही और जिस किस्म का देश बनाने का विचार हमारे संस्थापक पितामहों का था, उससे हटाने को, अंदरूनी एवं बाहरी दबावों के प्रयासों के बीच उसने अपना वजूद बनाए रखा। राष्ट्र की आत्मा, यदि कोई है, उसकी कामना कलह, अलगाव और लालच की बजाय सामूहिक समृद्धि की होगी। यहां तक कि जनसंख्या के एक बड़े वर्ग की बहुसंख्यकवादी प्रवृत्तियां उनकी अपनी आकांक्षाओं से प्रभावित होती दिखाई दे रही हैं। आखिरकार शांति समृद्धि के लिए पूर्व-शर्त है। और एक राष्ट्र निरंतर खुद से लड़ना गवारा नहीं कर सकता।

लेकिन एक भयावह अवयव है जोकि राष्ट्रीय महानता की तमाम उम्मीदों को धराशायी कर सकता है। एक कड़वी हकीकत राज्य एवं केंद्र सरकारों के सामने मुंह बाए खड़ी है : ग्रामीण विद्यालयों का शोचनीय शिक्षा स्तर, जिनमें अधिकांश सरकारी हैं। एक गैर सरकारी संगठन प्रथम फाउंडेशन द्वारा किया गया हालिया सर्वे, जिसके परिणाम वार्षिक शिक्षा रिपोर्ट 2023 में प्रकाशित हुए हैं, हमारे ग्रामीण युवावर्ग की वास्तविक काबिलियत के स्तर को उजागर करती है। पुराने वक्त के बरक्स केवल नाममात्र की साक्षरता बनाने को बहुतेरा धन लगाया जा रहा है, आज गांव-देहात में स्कूलों की कमी नहीं है। सर्वे के अनुसार, 14 से 18 साल के बीच 86.8 फीसदी देहाती बच्चे शिक्षा संस्थानों में दाखिल हैं झ अधिकांशतः सरकारी स्कूलों में। लेकिन इन छात्रों का बड़ा हिस्सा किताब सही ढंग से नहीं पढ़ पाता ,न ही उसे अच्छी तरह गणित आता है और न समय की गणना। यह राष्ट्र पर असरकारक किसी अन्य संकट से कहीं ज्यादा बदतर और एक टाइम बम जैसा है। भारत की असल ताकत हमेशा द्वितीय श्रेणी के शहरों और ग्रामीण अंचल में निहित रही है। यदि वे निराशाजनक रूप से रोजगार के अयोग्य युवा पैदा करने जा रहे हैं तो गणतंत्र का कोई भविष्य नहीं है। उदाहरणार्थ, पंजाब और हरियाणा में बच्चों का निम्न दर्जे का प्रदर्शन है। पंजाब में 14-18 वर्ष के बीच स्कूल दाखिला 88.7 प्रतिशत है, लेकिन आधे से ज्यादा छात्रों को सरलतम गुणा-भाग तक नहीं करना आता। वहीं 14-16 आयु वर्ग में 17 फीसदी लड़के पंजाबी में दूसरी कक्षा में लगी पुस्तक की पंक्तियां अच्छी तरह नहीं पढ़ पाते। जो कुछ उन्हें सातवें साल में सीख लेना चाहिए था, वह 16वें बरस में भी नहीं कर पा रहे। इन लड़कों में 20 फीसदी को तो पहली कक्षा की किताब से पूछे सवालों का जवाब तक नहीं आता। वहीं 17-18 आयु वर्ग में लगभग आधों को समय की गणना करनी ?हीं आती तो 84.9 प्रतिशत से कर्ज अदायगी की गणना नहीं की गई। बता दें, 14-16 की आयु तक वे अधिकांश लड़के सरकारी स्कूलों में पढ़े, लेकिन 17-18 की उम्र में ज्यादातर ने निजी शिक्षा संस्थानों में दाखिला लिया, इसलिए सारा दोष सरकारी स्कूलों पर नहीं मढ़ा जा सकता। हरियाणा में भी स्थिति इतनी ही निराशाजनक है। यहां 14-16 आयु वर्ग के 17 फीसदी लड़के दूसरी कक्षा की पुस्तक की पंक्तियां ठीक से नहीं पढ़ पाते तो 17-18 की उम्र वालों का प्रतिशत 14.8 रहा। लड़कियों की हालत कुछ बेहतर रही।

मारुती सुजकी वाहन सहित अवैध 60 पेटी फैक्ट्री मेड अंग्रेजी शराब के साथ 2 गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में रविवार को शान्ति व्यवस्था ड्यूटी, रोकथाम जुर्म जरायम, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन पूर्वांचल एक्सप्रसवे के ऊपर हैदरगंज इण्डियन आयल पेट्रोल पम्प के बगल से चढ़ने वाले एप्रोच मार्ग तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियो व वाहनो की चेकिंग के दौरान एक अदद माल वाहक सुपर कैरी सीएनजी मारुती सुजकी वाहन नं0 UP60BT3867 पर लदा हुआ अवैध 60 पेटी फैक्ट्री मेड अंग्रेजी शराब के साथ 02 नफर अभियुक्तगण 1- दुर्गेश यादव पुत्र स्व0 राजाराम यादव उम्र करीब 30 वर्ष निवासी पचवार थाना रसड़ा जनपद बलिया 2- अंकित पाण्डेय पुत्र स्व0 पवन पाण्डेय उम्र करीब 20 वर्ष निवासी किन्नूपुर थाना कोतवाली जनपद मऊ को गिरफ्तार किया गया जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर धारा 62/72 आबकारी अधि0 पंजीकृत हुआ है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी, उप निरीक्षक ओमकार तिवारी थाना मरदह जनपद गाजीपुर, उप निरीक्षक राजेश कुमार थाना मरदह, हेड कांस्टेबल आफताब खान थाना मरदह, का0 पवन कुमार मिश्र थाना मरदह, कास्टेबल बलवन्त सिंह थाना मरदह, कांस्टेबल सत्येन्द्र कुमार थाना मरदह, कांस्टेबल रत्नेश कुमार थाना मरदह, का0 विजय कुमार पाल थाना मरदह, का0 जुगनू सोनकर थाना मरदह जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

समावेशी विकास की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें

सुरेश सेठ

इन दिनों भारत की संपन्नता के जो आंकड़े देशवासियों के सामने प्रस्तुत हो रहे हैं, वे आशावाद से भरे हुए हैं। हाल ही में आई गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट बता रही है कि देश में अरबपतियों की संख्या दुनिया में तीसरे नंबर पर है जबकि अमेरिका सर्वाधिक अरबपतियों वाला देश है। यह भी तमाम विषम हालात में भी देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ी है। फिर भी 168 अरबपति भारत में हो गए हैं। लेकिन इस संपन्न धरती के निर्धन लोगों को कैसे भूलें? यही रिपोर्ट कहती है कि देश की आधी आबादी ऐसी है जिसकी कमाई 12000 रुपये प्रति माह तक ही है।

यह सच है कि पिछले वर्षों में बड़ी कारों और बड़ी कोठियों की बिक्री ने छोटे घरों और छोटी कारों की बिक्री को कहीं पछाड़ दिया है। भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया। पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया। लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है।

हम बार-बार कहते हैं कि भारत में अन्य देशों की तरह से महामंदी नहीं आएगी लेकिन यहां खतरा पैदा हो गया है कि अगर वंचित और निम्न मध्यवर्ग जो देश की कम से कम आधी आबादी है, अगर उसकी मांग में कमी होती है तो उससे मंदी हमारे जरूरी उद्योगों और खेतीबाड़ी के आर्थिक द्वार पर दस्तक दे सकती है। इसीलिए वित्तमंत्री को भी चाहिए कि आने वाले अंतरिम बजट में कुछ न कुछ कदम ऐसे उठाने पड़ेंगे जिससे इस मुख्य वर्ग की उपभोक्ता मांग में कमी नहीं आएगी और हम मंदी से बचकर निकल जाएंगे। उम्मीद की जा रही है कि इन करोड़ों लोगों के हाथ में उपभोग के लिए कुछ पैसा छोड़ने के वास्ते शायद कर बोझ में कुछ कमी की जाएगी।

लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भारत की उपलब्धियां कम हैं। 2014 में भारत दुनिया की आर्थिक शक्तियों में दसवें नंबर पर था लेकिन आज वह पांचवें नंबर तक पहुंच गया है। चुनावी प्रचार के माहौल में घोषणा भी हो रही है कि 2027 तक हम जर्मनी और जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी शक्ति बन जाएंगे।

यह निश्चय ही हमारी विकास यात्रा की एक महती उपलब्धि होगी और इसी के लिए भारतीयों को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करने के लिए देश के कोने-कोने में आजकल विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। हमने इंटरनेट, डिजिटल और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में उम्मीद से अधिक तरक्की की है। हमारा इसरो अंतरिक्ष विजय अभियान में अमेरिका के नासा से 21 है 19 नहीं। सबसे बड़ी बात कि इसरो की उपलब्धियां चाहे चांद विजय की हों या सौर विजय की, अथवा जैसे हम अभी सूर्य की थाह ले रहे हैं, वह बहुत ही किफायतशाली कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त इसरो की गतिविधियों का व्यवसायीकरण भी कर दिया गया है। तीसरी दुनिया के देशों से लेकर छोटे देशों के संचार उपग्रहों का प्रक्षेपण करने का एक बड़ा व्यवसाय भारत के निजी क्षेत्र के सामने खुल गया है।

लेकिन यहां कुछ चुनौतियां और भारतीय अर्थव्यवस्था की इस दौड़ में विसंगतियां भी हमें सचेत कर सकती हैं। पहली बात तो यह कि भारत की अर्थव्यवस्था समतावाद के लक्ष्य से कहीं छिटककर विषम व्यवस्था बन गई है। मोटे तौर पर कहा जाता है कि भारत के दस प्रतिशत धनी 90 प्रतिशत सम्पदा पर कब्जा जमाए बैठे हैं और 90 प्रतिशत आबादी 10 प्रतिशत सम्पदा पर गुजारा कर रही है। नई शिक्षा नीति तो बन गई है लेकिन आंकड़ाशास्त्री बताते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी एक बड़ी नौजवानों की आबादी दसवीं से पहले ही स्कूल छोड़ जाती है। देश में किसी कारगर रोजगार अथवा निवेश नीति के न होने के कारण बेरोजगारी बढ़ी है। देश के मुख्य धंधे खेती के क्रमशः अलाभकारी होते जाने के कारण इन नौजवानों के सामने देश से पलायन के अतिरिक्त कोई और रास्ता नहीं रह गया है। जरूरत इन प्राथमिकताओं को बदलने की है। देश के विकास और संपन्नता में सभी को साथ लेकर चलने की है। इसी को समावेशी विकास कहा जाता है, जो अकादमिक स्तर पर तो सच है लेकिन यथार्थ के स्तर पर आज भी गरीब आदमी से कोसों दूर है।

देश के वंचित वर्ग को दया की नहीं बल्कि रोजगार की गारंटी भी चाहिए। तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्था में स्वचालित उत्पादन प्रक्रिया के उत्साह के बावजूद लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को उनका उचित स्थान देकर ही यह गारंटी दी जा सकती है। इसी गारंटी के साथ ही नौजवानों का स्वाभिमान जुड़ा है, 80 करोड़ लोगों को उदार और रियायती राशन बांट कर नहीं। इसलिए जितनी जल्दी अपने समावेशी विकास में इन प्राथमिकताओं को उनकी सही जगह पर बिठा दिया जाए, उतना ही देश का भला होगा।

मामूली विवाद को लेकर सरपतहां में गरजी गोलियां चटकी लाठियां

आधा दर्जन घायल दो की हालत नाजुक, जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

जौनपुर। जनपद के थाना सरपतहां क्षेत्र स्थित सेखाई गांव में बीती रात शराब पीने से मना करने के विवाद को पुलिस से की गई शिकायत से नाराज राम मिलन यादव के पड़ोसियों ने सोमवार की सुबह लाठी डन्डा और असलहे से लैस होकर हमला कर दिए असलहे से फायरिंग करते हुए राम मिलन के परिवार के छह लोगो को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घायलो में दो की हालत चिन्ताजनक बताई जा रही है। सभी घायल जिला अस्पताल में जीवन मौत के बीच संघर्ष रत है।घटना की सूचना पर पुलिस भी मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है कुछ लोगो को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। यहां बता दे कि थाना सरंपतहां क्षेत्र स्थित सेखाई गांव में ग्राम वासी राम मिलन के मकान के पास बीती रात पड़ोस के कुछ लोगों को शराब पीने से मना करने के मुद्दे को लेकर विवाद हो गया। पड़ोसी राम मिलन का पुत्र नंद किशोर बीच-बचाव करने पहुंचा था। मामला नहीं सुलझने पर नंदकिशोर ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इससे नाराज लगभग एक दर्जन से अधिक की संख्या में नाराज दबंग युवकों ने सोमवार की सुबह राम मिलन यादव के घर पर लाठी डंडा और असलहा के साथ पहुंचकर हमला कर दिया। लाठी डंडा से पीटने के बाद ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग किया और दहशत पैदा किया मारपीट की इस घटना में राम मिलन यादव (58), अमरजीत यादव (40), अनुराग यादव (35), नंदकिशोर (36), करिश्मा (19) अनुराग (18) घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए राजकीय पुरुष अस्पताल लाया गया। जहां राम मिलन और नंदकिशोर की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के संबंध में सीओ शाहगंज ने बताया की सरपतहां पुलिस को सूचना मिली की स्थानीय थाने के सेखाई गांव में मारपीट की खबर पर पहुंची थाना सरपतहां और शाहगंज कोतवाली की पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। क्षेत्राधिकारी हेमंत कुमार मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। घटना के बाद गांव में पुलिस तैनात की गई है। घटना के बाबत सीओ शाहगंज हेमंत कुमार का बयान है कि मारपीट में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर हमले किये है। जिसमें 6 घायल हुए हैं दो लोगो के पैर में गोली लगी है।जिनको जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया है। इस घटना में शामिल कुछ लोगो को हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस पूछताछ कर रही है। तहरीर के आधार पर मुकदमा भी दर्ज कर लिये गया है।

श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर महाकाली मन्दिर पर हुआ रामायण पाठ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भगवान श्री राम जी के अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा एवं मूर्ति अनावरण अनुष्ठान अवसर पर आज रौजा स्थित महाकाली मंदिर पर भजन कीर्तन सुन्दर काण्ड आरती एवं भव्य भंडारे का वृहद आयोजन किया गया। तथा मंदिर परिसर में अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा और पट्टी खोलकर भगवान के दिव्य अलौकिक दर्शन का जीवंत प्रसारण तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सम्बोधन को एलईडी टीवी के माध्यम से देखा व सुना गया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति और अध्यात्मिक शक्ति जीवन समृद्धि का स्रोत है।आज पुरा देश जिनके नेतृत्व में इस ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी रहा यह कई वर्षों के संघर्षों का परिणाम है। लोकसभा संयोजक कृष्ण बिहारी राय ने कहा कि भगवान श्री राम जन जन की अभिप्रेरणा तथा नैतिक आदर्शों के प्रेरणा प्रधान है । उनके विग्रह प्राण प्रतिष्ठा के आज का आयोजन भारतीयता का ऐतिहासिक दिवस सिद्ध हुआ है। काशी क्षेत्र की उपाध्यक्ष एवं मिजार्पुर की जिला प्रभारी सरोज कुशवाहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व क्षमता का साक्षी आज पुरा देश रहा है।11 दिनों कि कठिन तपस्या के बाद आज प्राण प्रतिष्ठा अवसर पर जनता के बीच उनकी उपस्थिति हर हृदय को उच्च घर कर गई है। आज का यह वैभवशाली अवसर देश की समृद्धि और जन कल्याण में आस्था के महत्व को स्वीकार किया है। भाजपा की महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष साधना राय, किरन सिंह, सुधा सिंह, रीता सिंह, अभिनव सिंह, कामेश्वर सिंह ,डॉ अरविंद अविनाश सिंह, शुभम सिंह, नितीश दुबे, मयंक जायसवाल, गुड्डू यादव, बंटी सिंह, विनीत राय,अमित सिंह, मारकंडेय यादव,लुलुर बिंद एवं तमाम श्रद्धालु आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। गाजीपुर के रुई मंडी स्थित बुढे महादेव मंदिर पर आयोजित पुजा,पाठ और आरती,भजन में राज्य सभा सांसद अशोक बाजपेई,पुर्व मंत्री विजय मिश्र और भाजपा युवा नेता अभिनव सिन्हा ने भाग लिया ।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, मंडल अध्यक्ष सुनील गुप्ता, रासबिहारी राय, जेपी चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

वेलफेयर क्लब ने किया वाद विवाद व आवाज की आगाज का सफल आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वेलफेयर क्लब गाजीपुर के तत्वाधान में स्वर्गीय केशव प्रसाद शर्मा स्मृति वाद विवाद तथा आवाज की आवाज गायन प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किड जी स्कूल खोवा मंडी रौजा के परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सपना सिंह अध्यक्ष जिला परिषद गाजीपुर तथा कार्यक्रम अध्यक्ष अहमर जमाल प्रबंधक किडजी स्कूल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि सपना सिंह ने बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुति देखकर क्लब द्वारा बच्चों के बहुमुखी विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना किया। उन्होंने अपनी इच्छा जताते हुए बताया की समय-समय पर क्लब द्वारा किए जा रहे बच्चो के बहुमुखी विकास से सम्बंधित कार्यक्रमों में सहभागिता करना चाहूंगी। कार्यक्रम अध्यक्ष अहमद जमाल ने क्लब द्वारा जनपद भर में किए जा जा रहे सामाजिक कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए बच्चों को विषय के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। अतिथियों का स्वागत जैनब फातिमा, जुवैरा जावेद तथा शहाना जहां ने किया। वाद विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सुधीर सिंह, सुमित श्रीवास्तव तथा आदित्य पांडे शामिल रहे जिनके अनुसार कनिष्ठ वर्ग में सेंट जॉन्स स्कूल से सौम्या यादव प्रथम, सेंट मेरिज कॉन्वेंट स्कूल से बसारत हुसैन द्वितीय, एडुरेन ग्लोबल स्कूल देवचंदपुर से विभू विश्वम मिश्रा व सनफ्लावर कॉन्वेंट से आहाना सिंह तीसरे स्थान पर रहें।

चोलापुर विकासखंड में राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम के चौथे दिन भी आयोजन

प्रखर दानगंज चोलापुर वाराणसी- आज दिनांक 22/1/24 को चोलापुर विकासखंड अंतर्गत राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम के चौथे दिन इंटरफेस रोल मॉडल के तहत खरदहा,रजला हुआ टिसौरा मे लोक चेतना समिति वात्सल्य संस्था के द्वारा सभा कर उनके अनुभव को रखा गया जिसमें कि सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में नूरजहां जो पर्दा प्रथा के खिलाफ आवाज उठाकर बाहर निकली और सामाजिक तने- बानेको तोड़ कर कर समाज में मुस्लिम लड़कियों को बाहर निकलने में सहयोग की तथा अनीता रोजगार सेवक के पद पर रहते हुए कैसे पुरुषों के बीच में ब्लॉक कार्यालय में अपने नेतृत्व को बढ़ाया उसे अनुभव को लोगों के सामने रखा तथा लड़कियों को प्रोत्साहित भी किया कार्यक्रम में दर्जनों लड़कियों युवा पुरुषों महिलाओं ने भागीदारी किया कार्यक्रम में लोक चेतना समिति से सूबेदार सीमा रुखसाना वंदना मंजू लता ने सहयोग किया।

प्रभु श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठा पर राममय हुआ विद्युत विभाग, सुन्दर काण्ड का हुआ आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।अयोध्या में प्रभु श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर सुंदर काण्ड पाठ का कार्यक्रम विद्युत विभाग के सर्किल ऑफिस लाल दरवाजा में संपन्न हुआ जिसमे जिले के समस्त अधिकारी एवं बिजली कर्मचारी उपस्थित रहे। वही कर्मचारी नेता निर्भय नारायण सिंह ने प्रभु श्री रामचंद्र जी का उद्घोष करते हुवे पूजा पाठ मंडप में किए एवं जिले के समस्त अधिकारी एवं प्राइवेट तथा रेगुलर कर्मचारियों के जीवन में सुख शांति एवं समृद्धि के लिए भगवान प्रभु श्री राम जी का चरण वंदन करते हुवे प्रार्थना किए। वही प्रभु श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सर्किल ऑफिस पर सुंदर काण्ड पाठ के साथ ही साथ संस्कृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया एवम चनामृत वितरण के साथ ही साथ पूरे कर्मियों के लिए प्रसाद के रूप में भोजन का व्यवस्था भी किया गया था। जिसमे आज पूरा प्रांगण राम मय हो गया जिसमे सभी विद्युत कर्मी इस शुभ अवसर पर बढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अधिक्षण अभियंता पुरनचंद अधिशाषी अभियंता सुजीत सिंह, हेमंत सिंह, मनीष कुमार, आशीष चौहान सहायक अभियंता सुधीर कुमार,अभिषेक राय, सत्यम त्रिपाठी, कमलेश प्रजापति अवर अभियंता अश्वनी पटेल,अविनाश सिंह एवं अरविंद कुशवाहा, विजयशंकर राय,अजय विश्वकर्मा, अश्वनी सिंह, पवन कुमार, शशिकांत कुशवाहा,जितेंद्र सिंह, जितेंद्र शर्मा, रविंद्र सिंह,अमित सिंह,संतोष कश्यप, राजेश कुमार, शिवलोचन यादव, हिमांशु सिंह, अमित सिंह, श्रीराम वर्मा, राज सैनी, रोशन,रोहित, मनोहर यादव,प्रदीप राम,प्रेमशंकर, अर्जुन सहित समस्त विद्युत कर्मी मौजूद रहे। वही कार्यक्रम संयोजक सुरेश सिंह,विनय तिवारी, वेदांत त्रिपाठी, अमित सिंह ने किया।

बहरियाबाद पुलिस ने किया 1 वारण्टी को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल मार्गदर्शन में व क्षेत्राधिकारी सैदपुर के निकट पर्यवेक्षण में थाना बहरियाबाद की टीम द्वारा सोमवार को समय करीब 12.58 बजे उ0नि0 श्री सुभाष चन्द्र द्विवेदी थाना बहरियाबाद मय हमराह कर्मचारीगण के न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड, गाजीपुर से सम्बन्धित धारा 419,420,467,468 के 01 नफर वारण्टी मुनीब चौहान पुत्र ज्ञानचन्द्र चौहान उम्र करीब 27 वर्ष निवासी ग्राम सिकन्दरपुर थाना सादात जनपद गाजीपुर को अपराध का बोध कराते हुए हिरासत पुलिस में लिया गया। अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में सुभाष चन्द्र द्विवेदी थाना बहरियाबाद, अरविन्द यादव थाना बहरियाबाद, का0 मनीष कुमार थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

गांव से लेकर बाजार तक गूँजते रहे जय श्री राम के नारे

पिंडरा। 500 वर्षो बाद रामलला के धाम में विराजमान होते ही बाजार से लेकर गांव तक माहौल राममय दिखा। जगह जगह शोभायात्रा, कीर्तन की धूम रही। अपराह्न बाद जगह जगह प्रसाद वितरण व भंडारा का आयोजन किया गया। क्षेत्र के रामपुर , फूलपुर, पिंडरा, सिंधोरा व मंगारी, कुआर, थाना, महँगाव, कठिराव व गरखड़ा समेत अनेक गांवों में निकली भव्य शोभायात्रा में सैकड़ो उत्साही युवा श्रीराम के नारे लगाते हुए गांव व बाजार का भ्रमण किया। जिससे पूरा क्षेत्र राममय हो गया । शोभायात्रा के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रही। इसके अलावा क्षेत्र प्रमखु मंदिरों पर भी भव्य सजावट रही। वही पूजा पाठ के साथ सायंकाल में दीप प्रज्वलन भी हुआ। जिससे दीपावली जैसा नजारा दिखने लगा।

इस दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, भाजपा, विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी उत्साह के साथ शोभायात्रा में शामिल रहे। जिसमे प्रमुख रूप से शैलेन्द्र पांडेय, विनोद पांडेय, छेदी पांडेय, दिनेश सिंह, चंद्रशेखर सेठ, ओमप्रकाश सेठ, अमिताभ दुबे, रमेश जायसवाल, अनूप जायसवाल, राजकुमार, सोनू मोदनवाल, श्याम गुप्ता, विवेक गुप्ता समेत अनेक लोग रहे।

दुल्हन की तरह सजा जखनियां बाजार रामभक्ति में डूबा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज प्रभु श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम के शुभ अवसर पर शिव मंदिर जखनिया पर भव्य एवं दिव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां हनुमान चालीसा भजन, कीर्तन, विजय महामंत्र का जप किया गया और भव्य जुलूस निकालकर पूरे बाजार में भ्रमण किया गया। उक्त अवसर पर जिला सहकार्यवाह दुर्गा प्रसाद ने कहा आज हम परम सौभाग्यशाली हैं, प्रभु श्री राम का मंदिर हम लोगों के सामने बना और उनकी प्राण प्रतिष्ठा हो रही है उन्होंने कहा श्री राम हमारे सनातन की पहचान है, हमारे जनता का प्रतीक है। व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा हमारा जीवन धन्य हो गया जो प्रभु श्री राम लला 500 वर्षों के अंतराल के बाद श्री राम मंदिर अयोध्या में स्थापित हो रहे हैं। आज यह पल स्वर्णिम अक्षरों में इतिहास के पन्नों में अमर हो जाएगा। वर्मा ने कहा राम हमारे आराध्य है, राम हमारी आत्मा है, राम हमारे स्वाभिमान है, राम हमारे आदर्श हैं, राम हमारी शक्ति हैं, राम हमारी भक्ति हैं, राम हमारी संस्कृति हैं, राम लोक मंगल दायक है, राम हमारे पुरुषोत्तम है, राम हमारे पूज्यनीय हैं। आज प्रभु श्री राम अयोध्या में विराजमान ही नहीं हुए हैं वरन भारत में एक नए कालचक्र की शुरूआत हुई है। हमारी संस्कृति, हमारी धरोहर, हमारा अस्तित्व, हमारा स्वाभिमान आज हमें वापस मिला है। इस सांस्कृति स्वाभिमान को हम सभी को मिलकर आने वाले पीढ़ियो में जीवंत रखना है। इस स्वर्णिम पल को पाने में हमारी कई पीढियां ने अपने जीवन का बलिदान दे दिया। 134 वर्ष की लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद आज 22 जनवरी 2024 को हम सभी को हमारा स्वाभिमान वापस मिला है। आज यह पल इतिहास के पन्नों में अमर हो जाएगा। वर्मा ने कहा इस हर्षित पल पर पूरा देश राममय है, लोगों में हर्लोउत्साह है। गांव-गांव भजन, कीर्तन हो रहे हैं। पूरा जखनिया श्री राम ज्योति से दुल्हन की तरह सज गई है। यह अलौकिक पल देश सभी लोग अपने आंखों में समा लेना चाहते हैं क्योंकि हमारे राम आज आ गए हैं। वर्मा ने कहा भए प्रकट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी, हर्षित महतारी मुनिमन हारी, अद्भुत रूप विचारी। यह कितना ही सुखद पल है। वर्मा ने कहा राम के बिना भारत जीवन की कल्पना ही असम्भ है। बिना राम के आदर्शों का चर्मोत्कर्ष कहा है, बिना राम के भारत भर में भारत वर्ष कहा है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद उपस्थित महिलाओं ने आरती और शोहर गीत गाया उसके उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर अशोक गुप्ता, राकेश सिंह, सतीश जायसवाल, प्रशांत सिंह, चिंटू गुप्ता, अजीत, शंभू वर्मा, नंदा वर्मा, सुनील यादव, धीरज गुप्ता, राजेश जायसवाल, नंदू गुप्ता, धर्मेंद्र चौरसिया, सुनील जायसवाल, नीलेश सिंह, मनीष पांडेय, मनोज वर्मा सहित असंख्य रामभक्त माताएं बहने उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

केंद्र से आई टीम ने किया जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना के कार्यो का निरीक्षण

प्रखर संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में केंद्र सरकार द्वारा संचालित जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना के तहत कराए जा रहे कार्यों का रविवार को केंद्र से आई एन0 जे0 जे0 एम0 एवं एस0 बी0 एम0 टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया इस दौरान टीम ने 6 गांव में जाकर योजनाओं के तहत किए गए कार्यों का अवलोकन किया। टीम में शामिल केंद्र सरकार के प्रतिनिधि श्री पी0सी0 समर एवं डॉक्टर एस0 के0 कुलश्रेष्ठ ने योजना के तहत ग्राम पंचायत में किए गए अब तक के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान चकमद रुल्ला उर्फ मलोरना, गौरापार दुलहीपर, bhikhadad बढ़यालाला, जंगल दशहर, में टीम पहुंची। जहां पर कराए गए कार्यों निरीक्षण किया गया। इस मौके पर जल निगम के अधिशासी अभियंता श्री संजय कुमार जायसवाल और सहायक अभियंता श्री अभिषेक पांडे एवं श्री जयनारायण यादव , जू0 ई0 श्री मनोज पाल प्रिंस पांडे एवं अभय पटेल और जिला सलाहकार एस0बी0एम0 श्री प्रदीप कुमार तिवारी एवं डीपीएमयू टीम और आई0 ई0 सी0 ए0 आर0 डी0 सक्षम सिंह आदि मौजूद रहे।

त्रिकुटा सेवा संस्थान द्वारा संचालित (चिल्ड्रेन लर्निंग सेंटर) माधव शिक्षा संस्कार केंद्र

प्रखर दानगंज चोलापुर के बन्धु/भगिनी व सहयोगी गण द्वारा अलगप्तअलग ब्लॉक के अलग अलग 40 गांव के केंद्रों के माध्यम से आज श्री अयोध्या धाम में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी के दिव्य मंदिर में सनातन संस्कृति के आराध्य लोक नायक भगवान श्रीराम जी के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ दिन सोमवार *22 जनवरी को केंद्र के पंजीकृत बच्चों के साथ मिलकर अपने गांव के मंदिर पर जाकर बच्चों ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ साफ सफाई करके पूजा अर्चना कर के दीपदान का कार्य किया गया। संस्था के संस्थापक व सचिव श्री ह्रदेश कुमार पाण्डेय जी के प्रेरणाश्रोत में एवं संस्था के कार्यक्रम समन्यवक अधिकारी श्री धीरज जी एवं देवेंद्र जी के मार्गदर्शन में अलग अलग समय पर हो रहे धार्मिक चेतना पर अध्यात्मिक एवं सामाजिक जनजागरूकता का कार्यक्रम समय समय पर निरन्तर किया जाता रहा।

अयोध्या में श्री रामलला मन्दिर निर्माण आस्था एवं स्वाभिमान का प्रतीक : डॉ. राघवेन्द्र कुमार पांडेय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।अयोध्या में श्री रामजन्म भूमि स्थल पर श्री रामलला का विश्व प्रसिद्ध नव्य, दिव्य एवं भव्य मन्दिर निर्माण भारत की राष्ट्रीय चेतना, एकता, समन्वय, आस्था एवं स्वाभिमान का प्रतीक है। भारत सहित समस्त विश्व के इतिहास में 22 जनवरी 2024 का दिन स्वर्णाक्षरों में संजोया जाएगा। भारत के राष्ट्रीय चेतना स्थल के रूप में चर्चित एवं विश्व विख्यात 'अयोध्याधाम' में श्री राम जन्मभूमि पर नव्य, दिव्य एवं भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण का मार्ग सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के पश्चात ही प्रशस्त हो गया था, जिसका भव्य शुभारम्भ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों द्वारा 05 अगस्त 2020 को सम्पन्न हुई थी। भारतीय राष्ट्रजीवन के परिचायक और सम्पूर्ण मानवता को राक्षसी आतंकवाद से मुक्ति दिलाने वाले मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मभूमि पर एक नव्य, दिव्य एवं भव्य मन्दिर के निर्माण से करोड़ों हिन्दुओं की चिरप्रतीक्षित अभिलाषा साकार हो रही है। श्री रामजन्म भूमि पर मन्दिर निर्माण करोड़ों हिन्दुओं सहित उन सभी धर्म एवं जातियों के लिए आस्था का विषय है, जिन्हें आदि काल से सनातनी परंपरा से में विश्वास और श्रद्धा है। लगभग 500 वर्षों के बाद रामलला के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा लाखों कारसेवकों के मंदिर बनाने के लेकर देखे गए सपने का सच होने जीवन्त उदाहरण जैसा है। श्री राम किसी एक जाति, धर्म व क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करते है, बल्कि वह एक शक्तिशाली एवं संगठित राष्ट्र जीवन के प्रतीक हैं। घर, परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व में मयार्दाओं के नए कीर्तिमान स्थापित करने के कारण ही उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम कहा गया है। उनके जन्मभूमि पर बने नव्य, दिव्य एवं भव्य मंदिर राष्ट्र मन्दिर के रूप में देश से लेकर विदेश तक मयार्दा, आपसी समन्वय और स्वाभिमान का संदेश देगा। यह मंदिर भारत में सभी जातियों, पंथों एवं धर्मों को जोड़कर सभी भारतीयों को प्रेम की माला में गूथने का काम करेगा। इसके साथ ही श्री रामलला का मन्दिर विश्व में आपसी एकता, समन्वय , आस्था, मयार्दा एवं स्वाभिमान स्थापित करने का संदेश देगा।

सपा कार्यलय पर मनाया गया छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्रा की पुण्यतिथि गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को महान समाजवादी नेता ,छोटे लोहिया के नाम से दुनिया में विख्यात स्वर्गीय जनेश्वर मिश्रा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर समाजवादी पार्टी गाजीपुर के तत्वाधान में पार्टी कार्यालय समता भवन पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई । गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकताओं एवं नेताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोकतंत्र की रक्षा एवं समाज में व्याप्त गैर बराबरी को समाप्त करने के साथ-साथ लोकतंत्र, संविधान, धर्मनिरपेक्षता एवं समाजवाद के विरोधी साम्प्रदायिक एवं फासिस्टवादी भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया । गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र जी को महान नेता बताते हुए समाजवादी आंदोलन का प्रमुख स्तंभ बताया । उन्होंने कहा कि वह समाजवाद के पुरोधा थे ।उन्होंने अपने वसूलों और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। उनके मन में गरीब ,कमजोर और पीड़ितों के लिए करुणा थी । वह पूरा जीवन सरलता ,ईमानदारी और सादगी की चादर ओढ़े रहे । उन्होंने अन्याय, शोषण ,अत्याचार ,भेदभाव ,छुआछूत और पूंजीवाद के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। वह खांटी समाजवादी थे, वह कहा करते थे कि गरीबों के आंसू पूछना ही सच्चा समाजवाद है ।डॉ लोहिया ने उनके बारे में कहा था कि जनेश्वर जी जैसा एक भी नेता अगर मुल्क में रहेगा तो तानाशाही ताकत देश में कभी भी अपना सर नहीं उठा सकती ।

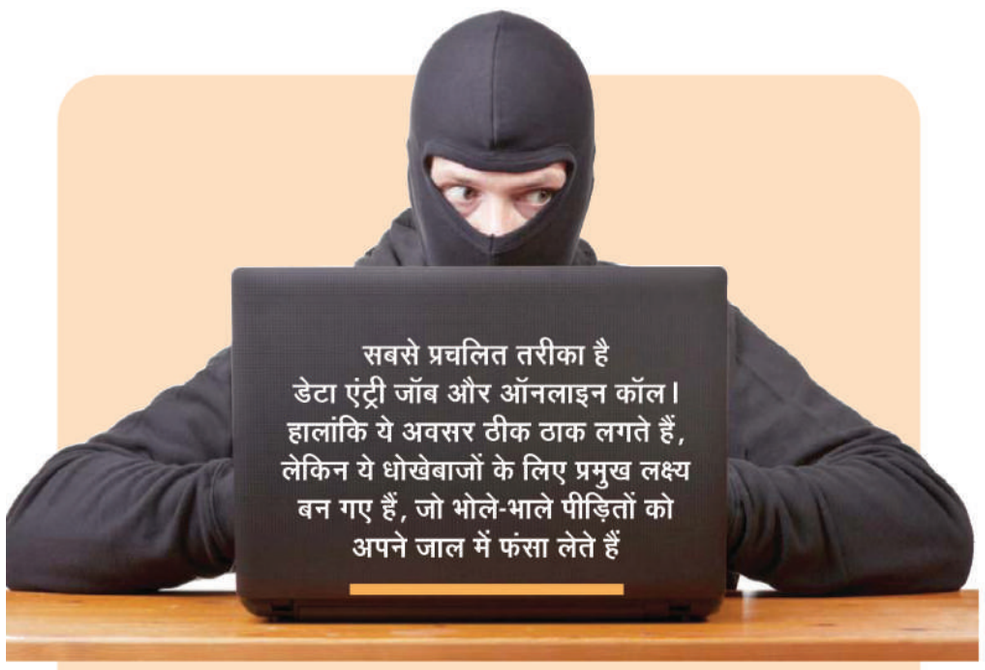

वर्क फ्रॉम होम चाहने वालों के साथ अलग तरह की

ऑनलाइन धोखाधड़ी

नई दिल्ली (आईएएनएस)। जैसे-जैसे दूर से काम करने का चलन जोर पकड़ रहा है, यह फर्जी योजनाओं के लिए भी ब्रीडिंग ग्राउंड बनता जा रहा है। नौकरी चाहने वालों को वर्क फ्रॉम होम के अवसरों में संदिग्ध घोटालों की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे प्रचलित तरीका है डेटा एंट्री जॉब और ऑनलाइन कॉल। हालांकि ये अवसर ठीक ठाक लगते हैं, लेकिन ये धोखेबाजों के लिए प्रमुख लक्ष्य बन गए हैं, जो भोले-भाले पीड़ितों को अपने जाल में फंसा लेते हैं, जिससे उन्हें वित्तीय नुकसान होता है और उनकी उम्मीदें टूट जाती हैं। ये घोटाले कई प्रकार के होते हैं। इनके कुछ प्रमुख प्रकार हैं-डेटा एंट्री घोटाला : पीड़ितों को उच्च-भुगतान वाली डेटा एंट्री नौकरियों की संभावना से लुभाया जाता है। हालांकि, पंजीकरण शुल्क का भुगतान करने या सॉफ्टवेयर में निवेश करने पर, उन्हें पता चलता है कि या तो वादा की गई नौकरियां मौजूद नहीं हैं, या दी गई सामग्री घटिया है। ऑनलाइन सर्वेक्षण घोटाला : लोगों को ऐसे सर्वेक्षणों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है जो अच्छी खासी कमाई का वादा करते हैं। सर्वेक्षण पूरा करने पर, पीड़ितों को या तो कोई भुगतान नहीं मिलता है या अपनी कमाई लेने के लिए पैसे देने के लिए कहा जाता है। फ्रीलांस नौकरी घोटाला : ग्राहक या भर्तीकर्ता के रूप में धोखाधड़ी करने वाले लोग लेखन, ग्राफिक डिजाइन या प्रोग्रामिंग जैसे विशिष्ट कौशल की आवश्यकता वाले फ्रीलांस नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। पीड़ितों को या तो उनके काम के लिए भुगतान नहीं मिल पाता है या उन्हें नकली चेक प्राप्त होते हैं, जिन्हें वे अनजाने में अपने बैंक खातों में जमा कर देते हैं और बाद में चेक बाउंस होने पर देनदारी का सामना करना पड़ता है। फर्जी नौकरी की पेशकश : जालसाज नौकरी पोर्टल या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फर्जी नौकरी लिस्टिंग पोस्ट करते हैं, जो घर से काम करने के अवसरों की तलाश कर रहे लोगों को निशाना बनाते हैं। वे व्यक्तिगत जानकारी, प्रसंस्करण शुल्क या प्रशिक्षण के लिए भुगतान का अनुरोध करते हैं और धन या संवेदनशील डेटा प्राप्त होते ही गायब हो जाते हैं। चार लोगों की गिरफ्तारी के साथ, दिल्ली पुलिस ने हाल ही में देश भर में 'ऑनलाइन काम' के बहाने 500 से अधिक लोगों को धोखा देने वाले साइबर बदमाशों के एक गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। आरोपियों की पहचान सुल्तानपुर डबास (दिल्ली) निवासी संजय डबास (26), जयपुर, राजस्थान निवासी फरहान अंसारी (30), रोहिणी (दिल्ली) निवासी पंकज वाधवा (38) और मोनू उर्फ मनोज के रूप में हुई। कुमार शर्मा (42), वसंत कुंज (दिल्ली) का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, एक महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि वह ऑनलाइन नौकरी ढूंढ रही थी, तभी उसे एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप संदेश मिला। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, संदेश में भेजे गए सोशल मीडिया खातों के लिंक के लिए प्रति लाइक 50 रुपये का भुगतान करने की पेशकश थी। उसने कॉल करने वाले द्वारा भेजे गए विभिन्न लिंक खोले और उन्हें लाइक किया। उसने जरीना नाम के प्रेषक को स्क्रीन शॉट भेजा। ज़रीना ने उसे जमा की गई राशि प्राप्त करने के लिए एक टेलीग्राम लिंक खोलने के लिए कहा। अधिकारी ने कहा, वह टेलीग्राम चैनल से जुड़ गई और उसके बैंक खाते में 150 रुपये जमा हो गए। इसके बाद ज़रीना ने उसे एक अन्य टेलीग्राम चैनल से जुड़ने और कुछ यूट्यूब वीडियो पसंद करने का निर्देश दिया, जिसे उसने पूरा किया और बदले में 200 रुपये प्राप्त किए। बाद में, ज़रीना ने बड़ा मुनाफा का वादा कर उसे क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने के लिए मना लिया। महिला ने शुरुआत में 1,000 रुपये का निवेश किया और ज़रीना ने उसे और भी अधिक लाभ की संभावना का लालच दिया। हालांकि, महिला को एक ही दिन में लगभग 22 लाख रुपये का नुकसान हुआ और उसने ज़रीना के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने कहा कि अब तक की गई जांच से संकेत मिलता है कि चीनी साइबर अपराधियों ने घर से ऑनलाइन काम या अंशकालिक नौकरियों की तलाश कर रहे लोगों को धोखा देने के लिए एक मॉड्यूल तैयार किया है। एजेंसियों की कार्रवाई और लोगों के बीच जागरूकता के कारण चीनी ऋण धोखाधड़ी में अब कमी आ रही है।

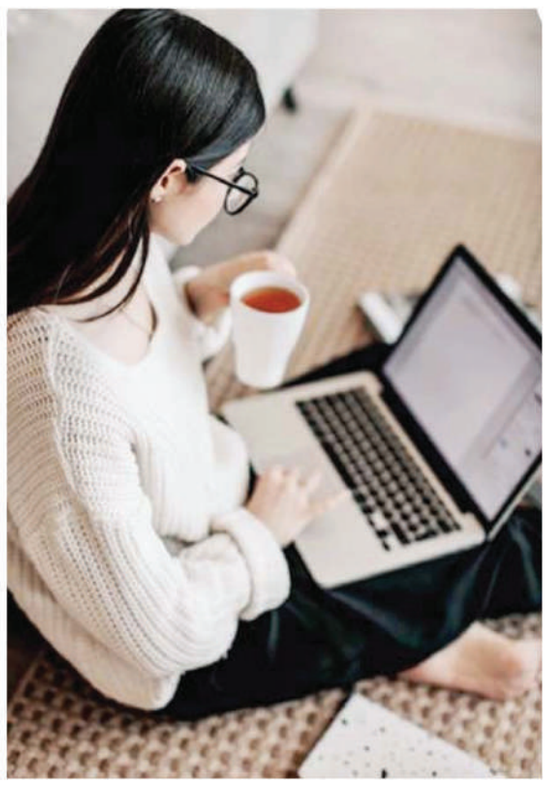

सितारे जमीन पर की शूटिंग

फरवरी में शुरू करेंगे आमिर खान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान अपनी आने वाली फिल्म 'सितारे जमीन पर' की शूटिंग फरवरी में शुरू कर सकते हैं। आमिर खान ने फिल्म लाल सिंह चड्ढा की फ्लॉप के बाद से फिल्मों से दूरी बना ली थी। आमिर बहुत जल्द फिल्मों में वापसी करने जा रहे हैं। बेटी आइरा खान की शादी के बाद अब आमिर खान पूरी तरह से अपने करियर की तरफ ध्यान देने वाले हैं। चर्चा कि आमिर 02 फरवरी से फिल्म सितारे जमीन पर की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस फिल्म के लिए आमिर खान ने अपना लुक भी तय कर लिया है। कहा जा रहा है कि फिल्म सितारे जमीन पर की अधिकांश शूटिंग आमिर खान दिल्ली में करने वाले हैं। आमिर खान बतौर निर्माता फिल्म लाहौर 1947 बनाने जा रहे है। इस फिल्म के काम की शुरुआत भी आमिर अगले महीने से कर सकते हैं। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनने वाली लाहौर 1947 में सन्नी देओल की मुख्य भूमिका होगी।

निरहुआ, आम्रपाली

की फिल्म 'कलाकंद' यूट्यूब पर

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता दिनेशलाल यादव निरहुआ और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की फिल्म 'कलाकंद' यूट्यूब पर रिलीज हो गई है। फ़िल्म 'कलाकंद' वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज की गई है। फिल्म 'कलाकंद' में दिनेशलाल यादव निरहुआ एक ऐसे नवयुवक का किरदार निभा रहे है, जो किसी फर्म में नौकरी करता है, लेकिन अचानक उसके पिता की मृत्यु हो जाती है। पिता का सपना था कि उनकी कलाकंद मिठाई की दुकान फिर से चालू हो, लेकिन दुकान, खेत और घर पर लाखों का कर्ज है। वर्ल्डवाइड चैनल और जितेंद्र गुलाटी के बैनर तले बनी फ़िल्म 'कलाकंद' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। सह-निर्माता कुलदीप श्रीवास्तव है। वही कलाकंद' के लेखक एवं निर्देशक संतोष मिश्रा है। संगीतकार आर्या शर्मा, डीओपी माही शेरला है।

लंबे समय तक बैठकर काम करना

खतरनाक

नई दिल्ली (आईएएनएस)। एक नए शोध से पता चला है कि जो लोग मुख्य रूप से बैठ कर लंबे समय तक काम करते हैं, उन्हें मृत्यु दर के बढ़ते जोखिम को कम करने के लिए प्रतिदिन 15 से 30 मिनट की अतिरिक्त शारीरिक गतिविधि करने की जरूरत होती है। 481,688 व्यक्तियों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि जो व्यक्ति मुख्य रूप से बैठ कर काम करते हैं, उनमें मृत्यु दर (16 प्रतिशत) और हृदय रोग (34 प्रतिशत) का अधिक जोखिम है। आधुनिक जीवनशैली तेजी से गतिहीन हो गई है, लंबे समय तक बैठे रहना अब सामान्य जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। जर्नल जेएएमए नेटवर्क ओपन में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि कार्यस्थल पर लंबे समय तक बैठे रहने को कम करना और/या दैनिक शारीरिक गतिविधि की मात्रा बढ़ाना मृत्यु दर और लंबे समय तक जुड़े हृदय रोग के बढ़ते जोखिम को कम करने में फायदेमंद हो सकता है। अध्ययन में ताइवान में एक स्वास्थ्य निगरानी कार्यक्रम के प्रतिभागियों को शामिल किया गया और उनका 1996 और 2017 के बीच अध्ययन किया गया। बैठने, ख़ाली समय की शारीरिक गतिविधि (एलटीपीए) की आदतों, जीवनशैली और चयापचय मापदंडों पर डेटा एकत्र किया गया। डेटा विश्लेषण दिसम्बर 2020 में किया गया था। अध्ययन में 12.8 (5.67) वर्षों की औसत अनुवर्ती अवधि के दौरान 26,257 मौतें दर्ज की गईं। लिंग, उम्र, शिक्षा, धूम्रपान, शराब पीने और बॉडी मास इंडेक्स को देखने के बाद, जो लोग ज्यादातर काम पर बैठे रहते थे, उनमें उन लोगों की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक मृत्यु दर और सीवीडी से मृत्यु दर 34 प्रतिशत अधिक थी। इस अध्ययन में, काम पर बैठने और न बैठने के बीच बदलाव के साथ-साथ प्रति दिन 15 से 30 मिनट की अतिरिक्त शारीरिक गतिविधि ने लंबे समय तक बैठे रहने के नुकसान को कम कर दिया।

15-30
मिनट का व्यायाम घटा सकता है मौत का जोखिम

बिग बॉस 17

रितेश देशमुख ने की

मुनव्वर के रोस्ट की तारीफ

मुंबई (आईएएनएस)। स्टैंड अप स्टार मुनव्वर फारुकी ने उस समय महफिल लूट ली, जब उन्हें लाइव ऑडियंस के घर के सदस्यों को रोस्ट करने का मौका मिला। बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख ने उनकी तारीफ की और उन्हें फायर बताया। बिग बॉस 17 के हालिया एपिसोड में, एक रोस्ट सेशन हुआ, जहां हर एक कंटेस्टेंट ने बारी-बारी से लाइव ऑडियंस के सामने एक-दूसरे को रोस्ट किया। रोस्ट सेशन के होस्ट कृष्णा अभिषेक और सुरेश लहरी सहित सभी ऑडियंस ने शो को पसंद किया। रोस्टिंग में हर किसी ने अपना बेस्ट दिया। मुनव्वर एपिसोड में हर पंच लाइन के साथ माइक ड्रॉप मोमेंट देते हुए जबरदस्त परफॉर्मेंस दे रहे थे। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर रितेश को भी मुनव्वर का शो बहुत पसंद आया। उन्होंने एक ट्वीट शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। एक्टर ने उल्लेख किया, मुनव्वर फारुकी ने स्टेज पर आग लगा दी। हैशटैग स्टैंडअप, हैशटैग बिग बॉस 17 जैसे-जैसे सीजन 17 समापन के करीब है, फाइनलिस्ट मुनव्वर फारुकी के साथ अरुण श्रीकांत माशेट्टी, मन्नारा चोपड़ा और अभिषेक कुमार भी शामिल हो गए हैं।

धनुष की फिल्म 'डी51' में संगीत देंगे देवी श्रीप्रसाद

मुंबई (आईएएनएस)। नेशनल अवॉर्ड-विनिंग म्यूजिक कंपोजर देवी श्री प्रसाद, जिन्हें प्रोफेशनल रूप से रॉकस्टार डीएसपी के नाम से जाना जाता है, तमिल सुपरस्टार धनुष की अपकमिंग फिल्म के लिए म्यूजिक तैयार कर रहे हैं। फिल्म का अनटाइटल 'डी51' है और इसका निर्देशन शेखर कम्मुला कर रहे हैं। यह 'वेन्धई' और 'कुट्टी' के बाद कंपोजर और एक्टर के बीच तीसरा कोलैबोरेशन है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक इमोशनल ड्रामा है और इसमें रश्मिका मंदाना और नागार्जुन अक्किनेनी भी हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। यह पहली बार होगा जब रॉकस्टार डीएसपी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सेकर कम्मुला के साथ सहयोग करेंगे। म्यूजिक कंपोजर, जिन्होंने 'श्रीवल्ली', 'ऊ अंतवा ऊ ऊ अंतवा' और अल्लू अर्जुन-स्टारर 'पुष्पाः द राइज' जैसे चार्टबस्टर्स दिए, ने हाल ही में लंदन में परफॉर्म किया, जहां उन्होंने अमेरिका और मलयेशिया में फैंस को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने 100 से ज्यादा फिल्मों के अपने परफॉर्मेंस से 13 और 14 जनवरी को वेम्बली में ओवीओ एरिना में दो बैक-टू-बैक शो में परफॉर्म किया। इस बीच, म्यूजिक डायरेक्टर के पास 2024 के लिए 'शैतान', 'थंडेल', 'पुष्पाः द रूल', 'कांगुवा' और 'उस्ताद भगत सिंह' जैसे कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं।

यामी गौतम

प्रियामणि और वैभव तत्ववादी 'आर्टिकल 370' में

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम, प्रियामणि और एक्टर वैभव तत्ववादी एक्शन से भरपूर पॉलिटिकल ड्रामा 'आर्टिकल 370' में नजर आएंगे, जो 23 फरवरी को रिलीज होगी। 'आर्टिकल 370' के दिलचस्प बैकड्रॉप पर आधारित, टीजर इवेंट्स की कॉन्फिडेंशियल चेन और अविश्वसनीय परिस्थितियों की एक रोमांचक झलक पेश करता है, जिसके चलते आर्टिकला 370 को अप्रभावी बनाने का अभूतपूर्व और ऐतिहासिक परिणाम सामने आया। 'आर्टिकल 370' के बारे में बात करते हुए मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म का आनंद लेंगे। निजी तौर पर, एक एक्टर के रूप में मेरे लिए, इस फिल्म ने मुझे जटिलताओं की नई गहराइयों में उतरने का मौका दिया और एक बार फिर मुझे एक ऐसी भूमिका दी, जिस पर पहले कभी विचार नहीं किया गया। निर्देशक आदित्य सुहास जंभाले ने कहा, भारतीय इतिहास के इतने महत्वपूर्ण चैप्टर को कवर करने वाली फिल्म का निर्देशक होना अपने आप में एक अनुभव है। यह फिल्म एक्शन के साथ राजनीति को पूरी तरह से संतुलित करती है, पहले कभी नहीं देखा गया। बड़े पैमाने पर कश्मीर और दिल्ली में फिल्माई गई यह फिल्म 'आर्टिकल 370' को अप्रभावी बनाने की अविश्वसनीय कहानी की झलक देती है। मेरा दृढ विश्वास है कि दर्शक कहानी के प्रभाव को उसी स्तर पर महसूस करेंगे जैसा हमने इसके निर्माण के दौरान महसूस किया था। जियो स्टूडियोज और 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के निर्माता की ओर से 'आर्टिकल 370' आ रही है, जो एक हाई-ऑक्टेन एक्शन पॉलिटिकल ड्रामा है। इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य सुहास जांभले ने किया है। ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर द्वारा निर्मित यह फिल्म 23 फरवरी को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बारे में वैभव ने कहा, इस शानदार फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बहुत रोमांचित हूं। अद्भुत कलाकारों की टुकड़ी के साथ काम करना इसे और भी खास बनाता है। उन्होंने आगे कहा, कश्मीर के सुरम्य स्थानों में शूटिंग करना सबसे अच्छी चीजों में से एक थी। यह एक व्यस्त शूटिंग थी लेकिन फिल्म देखने के बाद मुझे लगता है कि सारी मेहनत सार्थक थी।

यामी ने कहा, 'आर्टिकल 370' भारत के इतिहास का एक दमदार चैप्टर है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक राजनीतिक-एक्शन-ड्रामा, जो इस बात का गहराई से चित्रण करेगा कि कैसे बुद्धि और राजनीति एक राष्ट्र के लिए दिशा बदलने वाले कुछ सबसे महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए साथ-साथ काम करती हैं।

संक्षिप्त खबरें

महिंद्रा का सुप्रो प्रॉफिट ट्रक

नई दिल्ली। भारत में स्माल कमर्शियल व्हेकिल (एससीवी) के बाजार में अग्रणी, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने नई सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल रेंज के लांच की घोषणा की है, जो डीजल और सीएनजी डुओ दोनों वेरिएंट में उपलब्ध है। प्रतिस्पर्धी कीमत पर सुप्रो प्रॉफिट ट्रक एक्सेल के डीजल संस्करण की कीमत 6.61 लाख रुपये और सीएनजी वेरिएंट की कीमत 6.93 लाख रुपये है। महिंद्रा में आटोमोटिव डिवीजन के सीईओ निलनीकांत गोलागुंद्य ने कहा, 'हमारे राइज दर्शन का एक पहलु 'राइज फार वैल्यू' हमारी नवीनतम पेशकश महिंद्रा सुप्रो प्राफिट ट्रक एक्सेल में समाया हुआ है। यह लॉन्चिंग हमारी सब-2-टन सेगमेंट में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

वस्तु एवं सेवा निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली। बीते साल देश का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात मामूली 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 765.6 अरब अमेरिकी डालर रहा है। भारत के निर्यात को इलेक्ट्रानिक, दवा, सूती धागा, कपड़े और मेड-अप; सिरेमिक उत्पाद, मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पाद, फल और सब्जियां और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र से मदद मिली है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले कैलेंडर साल में वस्तुओं का निर्यात 4.71 प्रतिशत घटकर 431.9 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं सेवाओं का निर्यात 7.88 प्रतिशत बढकर 333.8 अरब डॉलर पर पहुंचने अनुमान है।

बजट में सोने पर घटे शुल्क

मुंबई। आम बजट से पहले रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार से सोने और कटे व पॉलिश हीरे (सीपीडी) पर आयात शुल्क कम करने का आग्रह किया है ताकि क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिल सके। भारत का रत्न और आभूषण उद्योग सोने, हीरे, चांदी और रंगीन रत्नों सहित कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भर है। जीजेईपीसी कीमती धातुओं पर आयात शुल्क को मौजूदा 15 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत करने की मांग कर रही है।(एजेंसियां)

कई प्रमुख कारपोरेट घराने भी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के जश्न में शामिल

■ देश की कई कंपनियों ने राम मंदिर की लाइटिंग व्यवस्था में दिया अपना योगदान

■ कुछ कंपनियां खाद्य पदार्थों के वितरण पर खर्च कर रही हैं मुनाफे का बड़ा भाग

■ कई कंपनियों ने होर्डिंग्स लगा कर शुरू किया आन ग्राउंड मार्केटिंग कैंपेन

नई दिल्ली (भाषा)। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर कई बड़ी कंपनियों ने परिसर में प्रकाश व्यवस्था में योगदान से लेकर कार्यक्रम को 'मल्टीप्लेक्स' पर लाइव दिखाने तक की घोषणा की है। कुछ कंपनियां समारोह के दौरान क्षेत्र में बिक्री से अपने लाभ का एक हिस्सा पूरे अयोध्या शहर में विशेष खाद्य पदार्थ वितरित करने के लिए दान कर रही हैं।

उपभोक्ता क्षेत्र में काम करने वाली कई कंपनियों ने बड़ी संख्या में होर्डिंग, गेट ब्रांडिंग, शॉपबोर्ड और कियोस्क लगाकर अयोध्या राम मंदिर के लिए पवित्र शहर में आने वाले भक्तों को उत्पाद पेश करके 'ऑन-ग्राउंड मार्केटिंग' अभियान शुरू किया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह 16 जनवरी को शुरू हुआ और 22 जनवरी तक चलेगा।

अग्रणी मल्टीप्लेक्स आपरेटर पीवीआर आईनॉक्स ने 22 जनवरी, 2024 को 70 से अधिक शहरों में अपने 160 सिनेमा स्क्रीन पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लाइव दिखाने की घोषणा की है। पीवीआर आईनॉक्स के सह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (को-सीईओ) गौतम दत्ता ने कहा कि वास्तव में अनूठे तरीके से भक्तों को इस उत्सव से जोड़ने में सक्षम होना हमारे लिए सौभाग्य की बात होगी। उम्मीद है कि हम मंदिर की गूंज, मंत्र और मन को छूने वाले दृश्यों को दिखाकर भारत के समकालीन इतिहास में सबसे प्रतीक्षित क्षणों को जीवंत कर पाएंगे।

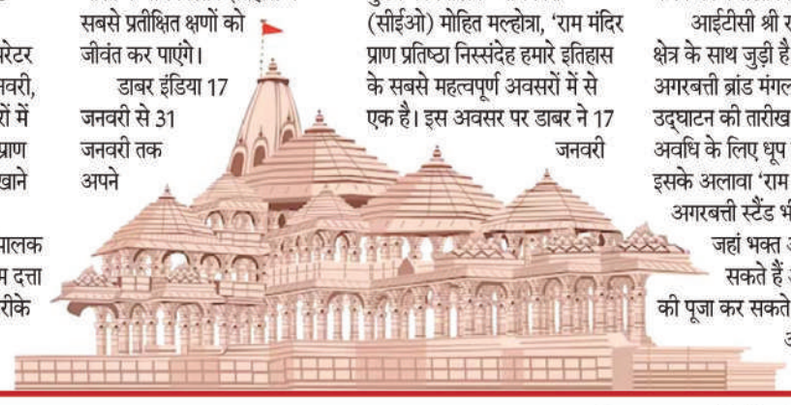

डाबर इंडिया 17 जनवरी से 31 जनवरी तक अपने उत्पादों की बिक्री से होने वाले मुनाफे का एक हिस्सा श्री जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को दान करेगी। डाबर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मोहित मल्होत्रा, 'राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा निस्संदेह हमारे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण अवसरों में से एक है। इस अवसर पर डाबर ने 17 जनवरी से 31 जनवरी तक अपने उत्पादों की बिक्री से हुए मुनाफे का एक हिस्सा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को दान करने का फैसला किया है।'

आईटीसी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के साथ जुड़ी है और इसके अगरबत्ती ब्रांड मंगलदीप ने मंदिर के उद्घाटन की तारीख से छह महीने की अवधि के लिए धूप दान किए हैं। इसके अलावा 'राम की पैढ़ी' पर दो अगरबत्ती स्टैंड भी लगाए गए हैं, जहां भक्त अगरबत्ती जला सकते हैं और भगवान राम की पूजा कर सकते हैं। आईटीसी के अगरबत्ती कारोबार के मुख्य कार्यकारी गौरव तायल ने कहा, 'मंगलदीप का इस ऐतिहासिक तथा पवित्र कार्यक्रम का हिस्सा बनना वास्तव में सम्मान की बात है।'

हैवेल्स और आरएके सेरामिक्स ने राम मंदिर परियोजना के साथ अपने सहयोग की घोषणा की। हैवेल्स ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि परिसर में श्री राम मंदिर को रोशन करने की एक ऐतिहासिक परियोजना के सफल समापन की घोषणा की है।

वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित आरएके सेरामिक्स ने कहा कि उसने भारत में कई परियोजनाओं में हिस्सा लिया है।

जश्न में अडाणी विल्मर भी शामिल

नई दिल्ली (भाषा)। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के जश्न में अडाणी विल्मर भी शामिल है। कंपनी ने जलेबी बांटने और एक दिन व्यापक स्तर पर भोग आयोजित करने की योजना बनाई है। कंपनी की अयोध्या में इकट्ठा होने वाले भक्तों की बड़ी भीड़ का ध्यान खींचने के लिए गेट ब्रांडिंग, होर्डिंग्स, शॉपबोर्ड तथा कियोस्क जैसी बीटीएल गतिविधियों को अंजाम देने की भी योजना है। ब्रांड श्रीमद रामायण की पूरी अवधि का प्रायोजक बनकर टेलीविजन का भी लाभ उठा रहा है, जो कि अयोध्या में समारोह के साथ मेल खाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंशु मलिक ने कहा, 'अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा हर भारतीय के लिए महत्वपूर्ण अवसर है।

बजट में आयकर के मोर्चे पर मिल सकती है राहत

■ बढ़ सकती है मानक कटौती की राशि ■ महिलाओं को भी मिल सकती है छूट

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिन में आम बजट पेश करेंगी। बजट में खासकर नौकरीपेशा लोगों की नजर मुख्य रूप से आयकर के मोर्चे पर होने वाली घोषणाओं और राहत पर होती है। अर्थशास्त्रियों की राय इसपर अलग-अलग है। कुछ का कहना है कि सरकार आम चुनावों से पहले अगले महीने पेश होने वाले अंतरिम बजट में मानक कटौती की राशि बढ़ाकर आयकरदाताओं को राहत देने के साथ महिलाओं के लिए अलग से कुछ कर छूट दे सकती है। हालांकि, कुछ यह भी मानते हैं कि यह अंतरिम बजट है, ऐसे में आयकर मामले में बदलाव की उम्मीद नहीं है।

सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज के चेयरमैन सुदिप्तो मंडल ने कहा, 'अंतरिम बजट में नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को आयकर मोर्चे पर कुछ राहत मिल सकती है। मानक कटौती की राशि बढ़ाकर कुछ राहत दिये जाने की उम्मीद है। लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि गरीब और निम्न मध्यम वर्ग आयकर नहीं देता है।' करदाताओं को राहत से जुड़े सवाल के जवाब में लखनऊ स्थित गिरि विकास अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रमोद कुमार ने कहा, 'इसके बारे में कुछ कहना मुश्किल है। यह आर्थिक कारकों के अलावा कई अन्य चीजों पर भी निर्भर करता है। आम चुनाव से पहले अंतरिम बजट में करदाताओं के वोट को आकर्षित करने के लिए कुछ रियायतें दी जा सकती हैं।'

अर्थशास्त्री और वर्तमान में बेंगलुरु के डा. बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स यूनिवर्सिटी के कुलपति एनआर भानुमूर्ति ने कहा, 'यह अंतरिम बजट होगा। ऐसे में कर व्यवस्था में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। आर्थिक शोध संस्थान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी में प्रोफेसर लेखा चक्रवर्ती ने कहा, 'महिला मतदाताओं पर जोर को देखते हुए आयकर कानून की धारा 88सी के तहत महिलाओं के लिए कुछ अलग से कर छूट मिल सकती है।' म्यूनिख स्थित इंटरनेशनल इंस्टट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस की लेखा चक्रवर्ती ने कहा, 'पिछले बजट में सरकार ने कुछ कदम उठाये थे, लेकिन वे बहुत स्पष्ट नहीं थे। अब जनता इसमें स्पष्टता चाहती है।

लार्सन एंड टुब्रो ने किया राम मंदिर का निर्माण

नई दिल्ली (भाषा)।

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का डिजाइन इंजीनियरिंग एवं निर्माण समूह लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने तैयार किया और उसके निर्माण को भी अंजाम दिया। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी।

निर्माण कंपनी ने बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आदेशानुसार लार्सन एंड टुब्रो ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर का डिजाइन और निर्माण कार्य सफलतापूर्वक किया। मंदिर वास्तुकला के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। यह मंदिर 70 एकड़ के परिसर में फैला है। इसका डिजाइन वास्तुकला की प्राचीन नागर शैली से प्रेरित है। मंदिर की ऊंचाई 161.75 फुट, लंबाई 380 फुट और चौड़ाई 249.5 फुट है।

यह तीन मंजिला मंदिर होगा। इसमें मुख्य शिखर के साथ पांच मंडप- नृत्य मंडप, रंग मंडप, गूढ़ मंडप, कीर्तन मंडप और प्रार्थना मंडप शामिल होंगे। एलएंडटी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एसएन सुब्रमण्यन ने कहा, 'श्री राम जन्मभूमि मंदिर के डिजाइन और निर्माण (का अवसर देने) के लिए हम सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।'

राज्यों की कर्ज गारंटी बढ़कर 9.4 लाख करोड़ रुपए हुई

मुंबई (भाषा)।

देश के 17 प्रमुख राज्यों द्वारा अपनी इकाइयों को दी गई कुल ऋण गारंटी वित्त वर्ष 2022-23 तक तीन गुना से अधिक होकर 9.4 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह वित्त वर्ष 2016-17 में तीन लाख करोड़ रुपये थी।

हालांकि, गारंटियां आकस्मिक देनदारियां हैं। ये राज्यों के राजकोषीय तंत्र के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकती हैं। ऐसे में राज्यों को एक मजबूत गारंटी निगरानी की जरूरत होती है, ताकि उनकी वित्तीय प्रणाली कुल मिलाकर जुझारू बनी रहे। राज्य अक्सर अपने विभिन्न उद्यमों, सहकारी संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों की ओर से अपने ऋणदाताओं के पक्ष में गारंटी देते हैं और जारी करते हैं जो आमतौर पर बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान होते हैं।

इक्रा रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने रिपोर्ट में कहा कि देश के 17 प्रमुख राज्यों द्वारा अपनी इकाइयों को दी गई कुल ऋण गारंटी 2016-17 में तीन लाख करोड़ रुपये से तीन गुना होकर 9.4 लाख करोड़ रुपये हो गई है। वास्तव में, ऐसी गारंटी पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2016-17 में तीन लाख करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2020-21 में 7.7 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2021-22 में यह नौ लाख करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट में गोवा के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्य और अन्य पहाड़ी राज्य को शामिल नहीं किया गया।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों में किसी राज्य द्वारा गारंटी सीमा सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम शामिल हैं, जो वर्तमान में अधिकतर राज्यों द्वारा लागू किए जा रहे हैं।

कई नए गंतव्यों से जुड़ेगा हिसार एयरपोर्ट

■ इसके लिए हरियाणा सरकार ने एलायंस एयर के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। हरियाणा में हिसार एयरपोर्ट से जल्द ही आठ रूटों पर हवाई सेवा होगी। हाल ही में हैदराबाद में आयोजित 'विंग्स इंडिया 2024' समारोह में हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की मौजूदगी में प्रदेश सरकार का एलायंस एयर के साथ एक करार हुआ।

इस मौके पर चौटाला ने कहा कि हिसार एयरपोर्ट से रीजनल कनेक्टिविटी के माध्यम से अप्रैल माह में कम से कम आठ रूट पर हवाई यात्रा शुरू हो जाएगी। इनमें हिसार से दिल्ली और चंडीगढ़ रूट के लिए पहले से ही मंजूरी मिल चुकी है। इसके अलावा अब हिसार से जयपुर, अहमदाबाद, जम्मू, कुल्लू, धर्मशाला और देहरादून की कनेक्टिविटी भी जल्द मिलेगी। उन्होंने कहा कि हिसार से हवाई यात्रा शुरू करने के लिए एलायंस एयर सरकार का सहयोगी रहेगा। उप मुख्यमंत्री ने हरियाणा में एयरो एक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार और एलायंस एयर का आभार व्यक्त हुए उन्होंने कहा कि देश का सबसे मार्डन और बड़ा हेली हब गुरुग्राम में बनेगा। चौटाला ने कहा कि गुरुग्राम हेली हब की कनेक्टिविटी धार्मिक स्थलों और पहाड़ी क्षेत्र से भी होगी और यहां से हेलीकाप्टर टैक्सी की सुविधा मुहैया करवाई जाएगी।

एलायंस का पवन हंस से करार

नई दिल्ली (एसएनबी)। एलायंस एयर ने एआई एसेट होल्डिंग लिमिटेड के साथ मिलकर पवन हंस के साथ हाथ मिलाने का फैसला किया है। इस संबंध में हाल ही में हैदराबाद में आयोजित 'विंग्स इंडिया 2024' में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

कार्यक्रम का आयोजन नागरिक उड्डयन मंत्रालय, फिक्की और एएआई ने संयुक्त रूप से किया था। एलायंस एयर के सीईओ विनीत सूद और पवन हंस के कार्यवाहक ईडी संजय कुमार ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव श्री वुमलुनमंग वुअलनम की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर मंत्रालय में संयुक्त सचिव असंगबा चुबा और पवनहंस के सीएमडी संजीव राजदान भी उपस्थित थे।

सिर्फ शून्य उत्सर्जन कारें ही वायु प्रदूषण घटाने में मददगार

नई दिल्ली (भाषा)।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हेकिल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा का मानना है कि केवल शून्य उत्सर्जन वाली कारें ही वायु प्रदूषण में कमी लाने, ईंधन आयात घटाने और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती हैं।

उद्योग के एक वर्ग द्वारा हाइब्रिड कारों पर लगाए गए करों में कटौती की मांग के बीच चंद्रा ने कहा कि ऐसे वाहन शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने, वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार और जीवाश्म ईंधन आयात को कम करने के प्रमुख राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ मेल नहीं खाते हैं। उन्होंने कहा कि कारों में हाइब्रिड और सीएनजी प्रौद्योगिकियां ईंधन दक्षता में सुधार करने और उत्सर्जन-संबंधी नियामकीय अनुपालन को पूरा करने में मदद करती हैं, लेकिन इसकी तुलना शुद्ध बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों से नहीं की जा सकती।

जीवन धारा-2 पालिसी की बिक्री आज से

नई दिल्ली।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी आफ इंडिया) की जीवन धारा 2 पालिसी की बिक्री सोमवार से शुरू होगी। यह जानकारी देते हुए कंपनी के अध्यक्ष सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि नई जीवन धारा 2 योजना एक गैर-भागीदारी, व्यक्तिगत बचत, आस्थगित वार्षिकी विकल्प प्रदान करती है। यह योजना आस्थगन अवधि के दौरान लाइफ कवर देती है और अधिक उम्र में उच्च वार्षिकी दर का दावा करती है।

उन्होंने कहा कि गैर-भागीदारी वाली योजना में पॉलिसीधारकों को अद्वितीय लाभ मिलेंगे। साथ ही स्थगन अवधि के दौरान लाइफ कवर भी मिलेगा जिससे पॉलिसी लेने वालों की वित्तीय सुरक्षा बढ़ेगी। यह योजना पालिसीधारकों की उम्र बढ़ने के साथ उच्च वार्षिकी दरें प्रदान करेगी जिससे बाद के वर्षों में एक सुरक्षित और स्थिर आय प्रवाह सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि पालिसीधारक योजना की शुरुआत से ही गारंटीशुदा वार्षिकी के आश्वासन का लाभ भी उठाएंगे। मोहंती ने कहा कि 11 वार्षिकी विकल्पों के साथ इस योजना में वह विकल्प भी चुने जा सकते है जो वित्तीय लक्ष्यों और प्राथमिकताओं के साथ सर्वोत्तम रूप से मेल खाता हो। योजना में न्यूनतम प्रवेश आयु 20 वर्ष होगी। पालिसीधारक स्थगन अवधि के दौरान या उसके बाद ऋण सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। जीवन धारा योजना की बिक्री 22 जनवरी से होगी।

कारपोरेटनामा

सिविल अस्पताल को उपकरण देगा पावरग्रिड

नई दिल्ली (वि.)। पावरग्रिड, उत्तरी क्षेत्र द्वारा निगम की कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत जिला आयुक्त, फरीदाबाद के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उक्त समझौता ज्ञापन पर पावरग्रिड की ओर से अशोक कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक (मा. सं-सीएसआर) और फरीदाबाद के उपायुक्त विक्रम ने एसके वर्मा, महाप्रबंधक (मा.सं) पावरग्रिड, गौरव सिंह, अतिरिक्त सीईओ, हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट और विनय गुप्ता, सीएमओ, सिविल अस्पताल, फरीदाबाद की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, पावरग्रिड सिविल अस्पताल, फरीदाबाद और इसके संलग्न पीएचसी को 1.68 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण प्रदान करेगा। यह परियोजना स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की दिशा में पावरग्रिड की एक उल्लेखनीय पहल है। इस अवसर पर सीएमओ, फरीदाबाद ने अस्पताल को यह बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए इस सीएसआर पहल को शुरू करने के लिए पावरग्रिड, उत्तरी क्षेत्र- को धन्यवाद दिया। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट संस्थान के रूप में, पावरग्रिड अपनी सीएसआर पहल के माध्यम से हरियाणा राज्य सहित पूरे भारत में विभिन्न बुनियादी ढांचा गतिविधियों के विकास के लिए लगातार समर्थन प्रदान कर रहा है।

रिलायंस का नवीन ऊर्जा गीगा परिसर इसी वर्ष

नई दिल्ली (भाषा)। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस साल की दूसरी छमाही में नवीन ऊर्जा गीगा परिसर शुरू करेगी। कंपनी ने तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान निवेशक कॉल में यह जानकारी दी। रिलायंस गुजरात के जामनगर में 5,000 एकड़ क्षेत्र में गीगा परिसर बना रही है। इसमें फोटोवोल्टिक पैनल, ईंधन सेल प्रणाली, हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए पांच गीगा कारखाने शामिल हैं। कंपनी ने निवेशकों के समक्ष तीसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा करते हुए कहा, 'हम इस वर्ष विभिन्न चरणों में नवीन ऊर्जा इकाइयां शुरू करने की राह पर है।' तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद अंबानी ने कहा, 'नवीन ऊर्जा गीगा परिसर 2024 की दूसरी छमाही में चालू होने के लिए तैयार है। मुझे विश्वास है कि रिलायंस का नवीन (हरित) ऊर्जा कारोबार स्वच्छ ईंधन की स्वीकार्यता की वैश्विक क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'

फरवरी से महंगे होंगे टाटा के वाहन

नई दिल्ली (भाषा)। टाटा मोटर्स ने अगले महीने से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सहित अपने सभी यात्री वाहनों की कीमतों में औसतन 0.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। टाटा मोटर्स की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह मूल्यवृद्धि एक फरवरी, 2024 से प्रभावी होगी। उत्पादन लागत में बढ़ोतरी की आंशिक भरपाई के लिए कंपनी यह कदम उठा रही है। कंपनी पंच, नेक्सॉन और हैरियर सहित कई यात्री वाहन बेचती है।

केंट आरओ अमेरिकी बाजार में उतरेगी

नई दिल्ली (भाषा)। वाटर प्यूरीफायर बनाने वाली घरेलू कंपनी केंट आरओ सिस्टम्स का इरादा अगले वित्त वर्ष में अमेरिकी बाजार में उतरने का है। कंपनी ने अगले तीन साल में 2,000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए वह अपने उपकरण पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक महेश गुप्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने पिछले तीन साल में विस्तार पर 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अब कंपनी उत्तर प्रदेश में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक नई पंखा विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 300 करोड़ रुपये का और निवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी जो पहले वॉटर प्यूरीफायर के लिए जानी जाती थी, अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रही है और उपकरण खंड, विशेष रूप से छोटे रसोई उपकरणों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है। गुप्ता ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में कंपनी के राजस्व में नई श्रेणियों का योगदान आधा हो जाएगा। अमेरिकी बाजार में अपने प्रवेश पर उन्होंने कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने ब्लैक एंड डेकर के साथ एक ब्रांड लाइसेंसिंग करार किया है। इसके तहत वह मेरीलैंड, अमेरिका की विनिर्माता के ब्रांड नाम पर आधारित अपने वॉटर प्यूरीफायर की श्रृंखला का निर्माण करेगी और उन्हें अमेरिकी बाजार में भेजेगी। गुप्ता ने कहा, 'हम अमेरिकी बाजार में जाएंगे। हमने ब्लैक एंड डेकर के साथ लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।' केंट आरओ सिस्टम्स भारत में ब्लैक एंड डेकर ब्रांड के तहत अपने वॉटर प्यूरीफायर का निर्माण करेगी और अमेरिकी बाजार में भेजेगी। कंपनी अगले छह माह में अमेरिकी बाजार में प्रवेश करेगी।

इस्पात मांग पूरी करने को एनएमडीसी प्रतिबद्ध

हैदराबाद (वि.)। राष्ट्रीय खनिक एनएमडीसी घरेलू इस्पात मार्केट की निरंतर बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लौह अयस्क उत्पादन में वृद्धि कर रहा है और निर्यात के बगैर उच्च बिक्री आय अर्जित कर रहा है। भारत सरकार की सबसे सम्मानित और भरोसेमंद कंपनियों में से एक एनएमडीसी ने चीन को अयस्क निर्यात करने का कोई प्रस्ताव नही रखा है, जैसा कि रायटर्स द्वारा चलाई गई एक रिपोर्ट में आधारहीन दावा किया गया है। बिजनेस मीडिया के साथ हाल की वार्ताओं में कंपनी ने कहा है कि लौह अयस्क के लिए भारत की आवश्यकता ऐतिहासिक रूप से उच्च-स्तर पर है और एनएमडीसी घरेलू इस्पात निर्माताओं की खपत की मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। निर्यात के आर्थिक समीकरण पर बोलते हुए कंपनी ने कहा है कि यद्यपि लौह अयस्क निर्यात की कीमतों में वृद्धि का रूझान दिखाई दे रहा है, लेकिन घरेलू बाजार में शुद्ध बिक्री अर्जन बेहतर है।

कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे बाजार की चाल

नई दिल्ली (भाषा)। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुझान और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की गतिविधियां से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। यह सप्ताह कम कारोबार सत्रों का रहेगा। 22 जनवरी को बाजार में अवकाश रहेगा। महाराष्ट्र सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के कारण छुट्टी की घोषणा की है। इसके अलावा शुक्रवार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'सप्ताह के दौरान अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े, बैंक ऑफ जापान (बीओजे) और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के ब्याज दर पर निर्णय से बाजार की दिशा तय होगी।'

सप्ताह के दौरान एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, बजाज ऑटो, डीएलएफ, एसीसी और जेएसडब्ल्यू स्टील अपने तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'यह कम कारोबारी सत्रों वाला सप्ताह है। कई कंपनियों के तिमाही नतीजों की वजह से बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखनी को मिलेंगी। इसके अलावा बीओजे और ईसीबी के ब्याज दर पर निर्णय और अमेरिका के जीडीपी आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे।' बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,144.8 अंक या 1.57 प्रतिशत नीचे आया। एनएसई और बीएसई ने 20 जनवरी यानी शनिवार को सामान्य कारोबारी सत्र आयोजित किए। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, 'आगामी बजट को लेकर उम्मीदें और क्षेत्र विशेष गतिविधियां बाजार को दिशा देंगी। वैश्विक स्तर पर सभी की निगाह जापान की मौद्रिक नीति और अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी। इसके अलावा निवेशक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी नजर रखेंगे।' मीणा ने कहा, ''पिछले सप्ताह बाजार में लगातार उतार-चढाव देखा गया। इससे सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए अयोध्या पहुंचे स्टार खिलाड़ी, कुंबले-वेंकटेश ने शेयर की तस्वीरें

⏭ नई दिल्ली

राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होने के लिए देशभर के स्टार खिलाड़ी अयोध्या पहुंचने लगे हैं। इस कड़ी में भारत के पूर्व कप्तान और महान स्पिनर अनिल कुंबले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर लखनऊ पहुंचे। कुंबले सोमवार को बहुप्रतीक्षित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। कुंबले के अलावा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद अयोध्या पहुंच गए हैं। उन्होंने समारोह की तस्वीरें साझा की है। अनिल कुंबले को रविवार दोपहर लखनऊ हवाई अड्डे पर देखा गया और पूर्व भारतीय क्रिकेटर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह की पूर्व संध्या पर अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। इस बीच अनिल कुंबले के पूर्व साथी और तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद राम मंदिर समारोह के लिए अयोध्या पहुंच गए हैं।

वेंकटेश ने लिखा, जय श्री राम

वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो शेयर करते हुए लिखा, जय श्री राम। क्या क्षण है। सभी जीवन भर की घटना का गवाह बनने के लिए तैयार हैं। हमारे सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक। पूरी अयोध्या और हमारे देश का अधिकांश हिस्सा खुशी से झूम रहा है। अयोध्यापति श्री रामचन्द्र जी की जय।

दिग्गज खिलाड़ियों को भी मिला है न्योता

बता दें कि राम मंदिर समारोह में एमएस धोनी, विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर, कपिल देव, आर अश्विन और हरमनप्रीत कौर जैसे भारतीय क्रिकेटरों को आमंत्रित किया गया है। देखने वाली बात होगी कि ये सभी कब अयोध्या पहुंचते हैं।

ऐतिहासिक दिन पर करने जाऊंगा दर्शन : हरभजन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी के सांसद हरभजन सिंह ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक दिन बताया है। पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा है कि दूसरे लोग कुछ भी करें, वह मंदिर जरूर जाएंगे और दर्शन करेंगे। दुबई में एजेंसी से बात करते हुए हरभजन सिंह ने प्रधानमंत्री की तारीफ की। हरभजन सिंह ने कहा कि लोग क्या सोचते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता। मेरी आस्था है और मैं अयोध्या जरूर जाऊंगा। उन्होंने कहा कि पार्टी से ऊपर उठकर इसका स्वागत करना चाहिए। हरभजन सिंह ने कहा, मैं निश्चित रूप से मंदिर जाऊंगा। मैं धर्म और भगवान में दृढ़ विश्वास रखता हूं। मैं आशीर्वाद लेने के लिए हर मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे जाता हूं। जब भी मौका मिलेगा मैं मंदिर जाऊंगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। देश के लोगों को मेरी शुभकामनाएं। प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। जितना संभव हो उतने लोगों को कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए और आशीर्वाद लेना चाहिए। यह एक ऐतिहासिक दिन है। भगवान राम सभी के हैं। यह बहुत बड़ी बात है।

रामभक्त अफ्रीका के खिलाड़ी महाराज ने दी शुभकामनाएं

दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी केशव महाराज ने सोमवार को होने वाली अयोध्या में राम मंदिर की 'प्राण प्रतिष्ठा' को लेकर भारतीय समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। गौरतलब हो कि भगवान राम और हनुमान के भक्त केशव महाराज ने सोशल मीडिया पर लिखा, सभी को नमस्ते। मैं अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए साउथ अफ्रीका में अपने भारतीय समुदाय को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। सभी के लिए शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ज्ञान हो। जय श्री राम।

खबर संक्षेप

सानिया ने की तलाक की पुष्टि

नई दिल्ली। सानिया मिर्जा के परिवार ने रविवार को भारतीय टेनिस स्टार और शोएब मलिक के अलग होने की पुष्टि की। मलिक ने एक दिन पहले अभिनेत्री सना जावेद से दूसरे निकाह की घोषणा की थी। सानिया के परिवार द्वारा जारी बयान के अनुसार, 'सानिया ने अपनी व्यक्तिगत जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखा है। लेकिन आज उनके लिए यह बताना जरूरी हो गया है कि कुछ महीने पहले ही उनका और शोएब का तलाक हो चुका है। वह शोएब को उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं देती हैं।'

भारत को स्पिनर दिलाएंगे जीत

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि भारत का शानदार स्पिन आक्रमण बेन स्टोक्स एंड कंपनी के खिलाफ पांच मैच की घरेलू श्रृंखला में उन्हें जीत दिलायेगा। पहला टेस्ट गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होगा। इंग्लैंड ने भारत में अभ्यास मैच खेलने के बजाय अबुधाबी में तैयारी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम में सिर्फ जैक लीच ही अनुभवी स्पिनर हैं जबकि टॉम हार्टले, शोएब बशीर और रेहान अहमद कम अनुभवी हैं। भारतीय टीम में आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे स्पिनर शामिल हैं।

लॉरेंस इंग्लैंड टीम में शामिल, ब्रुक हटे

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को घोषणा की कि हैरी ब्रुक भारत के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेलेंगे और उनकी जगह मध्यक्रम बल्लेबाज डैन लॉरेंस को शामिल किया गया है। ब्रुक निजी कारणों से तुरंत स्वदेश लौट जायेंगे। ईसीबी ने कहा कि गुरुवार से हैदराबाद में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए ब्रुक की जगह सर्रे के 26 वर्षीय लॉरेंस सोमवार को टीम से जुड़ेंगे और भारत जाएंगे। श्रृंखला से पहले अभ्यास शिविर के लिए ब्रुक टीम के साथ अबुधाबी पहुंचे थे।

मान सिंह ने एशियाई मैराथन में जीता स्वर्ण

हांगकांग। मान सिंह रविवार को यहां एशियाई मैराथन चैंपियनशिप में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय एथलीट बने। मान सिंह (34 साल) ने दो घंटे 14 मिनट और 19 सेकेंड का समय निकाला, इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल मुंबई मैराथन में दो घंटे 16 मिनट 58 सेकेंड का था जिससे वह 11वें स्थान पर रहे थे।

आस्ट्रेलियन ओपन : मानारिनो को 6-0, 6-0, 6-3 हराया

58वीं बार अंतिम-8 में पहुंचे जोकोविच फेडरर के ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी ⏭ मेलबर्न

सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने रविवार को यहां एड्रियन मानारिनो पर 6-0, 6-0, 6-3 की जीत से आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया और रोजर फेडरर के सर्वकालिक ग्रैंडस्लैम रिकॉर्ड की बराबरी की। 10 बार के आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जोकोविच ने एक घंटे 44 मिनट में मिली जीत के दौरान 31 विनर जमाए और मेजर में 58वीं बार अंतिम आठ में प्रवेश कर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकोविच 14वीं दफा आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे और उनकी निगाहें 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब पर लगी हैं। अब उनका सामना 12वें नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज से होगा। फ्रिट्ज पिछले साल यहां उप विजेता रहे स्टेफानोस सिटसिपास पर 7-6 (3), 5-7, 6-3, 6-3 की जीत से पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे।

जोकोविच 14वीं दफा आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सबालेंका और गॉफ की शानदार जीत

महिलाओं के वर्ग में गत चैंपियन आर्यना सबालेंका और अमेरिकी ओपन विजेता कोको गॉफ ने शानदार जीत से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी सबालेंका ने पिछले साल यहां अपना पहला ग्रैंडस्लैम जीता था। उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 6-2 से हराया। उनका सामना 16 वर्षीय मीरा एंड्रीवा और नौवें नंबर की खिलाड़ी बारबोरा क्रेजसिकोवा के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। सितंबर में अमेरिकी ओपन में पहला मेजर जीतने वाली गॉफ ने मागडालेना फ्रेच को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक से होगी जिन्होंने मारिया टोमाफीवा को 6-2, 6-1 से हराकर पहली बार मेजर के अंतिम आठ में जगह बनाई।

टी20 मैच 42 रन से जीता पाक, न्यूजीलैंड के नाम 4-1 से सीरीज

एजेंसी ⏭ क्राइस्टचर्च

पाकिस्तान रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को 42 रन से हराकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप होने से बच गया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 134 रन बनाए।

यह श्रृंखला में मेहमान टीम का न्यूनतम स्कोर था, इससे पहले टीम ने पिछले चार टी20 में 180, 173, सात विकेट पर 179 और पांच विकेट पर 158 रन बनाए थे। लेकिन हेगले की खराब पिच पर यह स्कोर भी काफी साबित हुआ और न्यूजीलैंड की टीम महज 92 रन के स्कोर पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए इफ्तिखार अहमद नायक साबित हुए जिन्होंने 11 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे न्यूजीलैंड के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ। इफ्तिखार ने टिम सिफर्ट (19), मैट हेनरी (01) और ईश सोढी (01) को आउट किया जबकि विल यंग (12) का कैच लेकर आउट किया और मार्क चैपमैन (01) को रन आउट करने में भूमिका अदा की। इससे पाकिस्तानी टीम श्रृंखला में 0-5 से हारने से बच गयी और न्यूजीलैंड ने 4-1 से श्रृंखला जीती। पाकिस्तान की पारी में मोहम्मद रिजवान ने 38 और फखर जमां ने 33 रन बनाए।

पुजारा के 20 हजार रन, सौराष्ट्र ने दर्ज की पहली जीत

नागपुर। चिराग जानी के पांच विकेट की बदौलत गत चैम्पियन सौराष्ट्र ने रविवार को यहां रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन विदर्भ को 238 रन से रौंदकर सत्र की पहली जीत दर्ज की। सौराष्ट्र के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने 66 रन की पारी के दौरान यादगार उपलब्धि हासिल की। वह सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बाद 20,000 प्रथम श्रेणी रन जुटाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। विदर्भ की टीम 373 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए जरा भी चुनौती पेश नहीं कर सकी।

सात्विक-चिराग इंडिया ओपन में उपविजेता, कैंग-सियो को खिताब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ की जोड़ी के खिलाफ रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

सात्विक और चिराग की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को फाइनल में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी के खिलाफ एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2018 के चैंपियन युकी ने कड़े फाइनल में हांगकांग के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी ली च्युक यीयू को 54 मिनट में 23-21, 21-17 से हराकर दूसरी बार इंडिया ओपन जीता।

ग्रैंडमास्टर गुकेश ने वार्मरडैम को हराया

विज्क आन ज़ी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में नीदरलैंड के मैक्स वार्मरडैम को हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की, जिससे वह संयुक्त बढ़त पर पहुंच गए। इस जीत से गुकेश ने संभावित सात में से 4.5 अंक हासिल कर लिए हैं और अब वह उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसतारोव और नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

एमबापे के दो गोल, 4-1 से जीता पीएसजी

एजेंसी ⏭ पेरिस

किलियान एमबापे ने दो गोल करने में मदद की और दो गोल दागे जिससे पेरिस सेंट जर्मेन () ने शनिवार को यहां ओरलियांस को 4-1 से हराकर फ्रेंच कप के राउंड 16 में प्रवेश किया। एमबापे ने 16वें और 62वें मिनट में दो गोल दागे जिससे इस सत्र के 26 मैच में उनके गोल की संख्या 28 हो गई।

फिर एमबापे ने 71वें मिनट में क्रास से गोंकालो रामोस को और 88वें मिनट स्थानापन्न मिडफील्डर सेनी मायुलु को गोल करने में मदद की। अनुभवी स्ट्राइकर विसाम बेन येडर की हैट्रिक की बदौलत मोनाको ने रोडेज पर 3-1 की जीत से पीएसजी के साथ अगले दौर में प्रवेश किया। लेकिन 2022 के विजेता नानटेस को लावाल से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। राउंड 32 के अन्य मुकाबले में नाइस ने बोर्डेक्स पर 3-2 से जीत हासिल की। ब्रेस्ट ने भी ट्रेलिसाच पर 2-1 की जीत से अगले दौर में प्रवेश किया।

रणजी ट्रॉफी: मध्य प्रदेश ने 86 रन से दर्ज की जीत

लचर प्रदर्शन से दिल्ली की एक और शर्मनाक हार

एजेंसी ⏭ इंदौर

बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण दिल्ली को रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी में मध्य प्रदेश से 86 रन से हार का सामना करना पड़ा जो इस सत्र में उसकी दूसरी पराजय है। मध्य प्रदेश से पराजय दिल्ली को इसलिए भी ज्यादा आहत करेगी क्योंकि उसने मैच के पहले दिन मेजबान टीम को 171 रन पर आउट करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। इसके जवाब में दिल्ली ने 205 रन बनाकर पहली पारी में 34 रन की बढ़त हासिल की थी। मध्य प्रदेश ने खेल के तीसरे दिन सुबह अपनी दूसरी पारी 5 विकेट पर 157 रन से आगे बढ़ाई और 251 रन बना कर दिल्ली के सामने 218 रन का लक्ष्य रखा। मध्य प्रदेश की तरफ से कप्तान शुभम शर्मा ने 73 रन बनाए। दिल्ली के बल्लेबाजों ने फिर से निराश किया और उसकी पूरी टीम 131 रन पर आउट हो गई। केवल वैभव कांडपाल (125 गेंद पर नाबाद 49) ही गेंदबाजों का डटकर सामना कर पाए। दिल्ली को अपने पहले मैच में पुडुचेरी से हार का सामना करना पड़ा था जबकि जम्मू कश्मीर के खिलाफ उसका मैच खराब मौसम से प्रभावित रहा था। इस ड्रॉ मैच में दोनों टीम ने अंक बांटे। पुडुचेरी से हार के बाद दिल्ली ने कप्तानी में बदलाव किया था तथा यश ढुल की जगह हिम्मत सिंह को कप्तान बनाया था, लेकिन इससे भी टीम का भाग्य नहीं बदला।

55 रन से जीता देहरादून

पुडुचेरी ने देहरादून ने खेले गए मैच में उत्तराखंड को 55 रन से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। पुडुचेरी ने पहली पारी में 204 रन बनाकर उत्तराखंड को 123 रन पर आउट कर दिया था। उसने दूसरी पारी में 131 रन बनाकर उत्तराखंड के सामने 213 रन का लक्ष्य रखा था। गौरव यादव ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 53 रन देकर सात विकेट हासिल किए और उत्तराखंड को दूसरी पारी में 157 रन पर आउट करने में अहम भूमिका निभाई।

आखिर क्या है प्रेम?

जहां शारीरिक सौन्दर्य और शारीरिक संरचना हमें आकर्षित करती है वह आकर्षण प्रेम नहीं है॥ वह वासना है। और वासना क्षणिक होती है। इस क्षण वह है, दूसरे ही क्षण गिर जायेगी। मर जायेगी। मन के तल पर घटने वाला प्रेम शरीर के तल पर घटने वाले प्रेम की तुलना में थोड़ा पवित्र है। परंतु जिस प्रेम को परमात्मा कहा गया है, उस श्रेणी में मन के तल पर प्रगट होने वाला प्रेम भी नहीं है आता है। क्योंकि जैसे शरीर चंचल है ऐसे ही मन भी चंचल है। मन क्षण-क्षण बदलता रहता है। एक क्षण में मन प्रेम जागता है दूसरे ही क्षण में घृणा जग जाती है। मन बहुरूप हैद्ध वह अखण्ड नहीं है। वह प्रेम भी करेगा जो खण्ड-खण्ड में बंटकर करेगा। जो-जो खण्ड उसे मनोज्ञ प्रतीत होगा उस-उस खण्ड को वह प्रेम करेगा। जो खण्ड उसे अमनोज्ञ प्रतीत होगा उसे वह अस्वीकार कर देगा। तृतीय प्रकार का प्रेम है, आत्मतल पर प्रगट होने वाला प्रेम। वस्तुत: जिसे प्रेम कहा जा सकता है, और जिस प्रेम की सब जगह महिमा कही गई है वह प्रेम है आत्मतल पर प्रगट होने वाला प्रेम है। उसका आधार कोई पात्र विशेष नहीं होती है। जैसे सूरज का प्रकाश सब स्थानों पर समान रूप से बरसता है वैसे ही आत्मतल पर प्रगट हुआ प्रेम प्राणिमात्र पर समान रूप से बरसता है।

मुनि मणिभद्र

यूरोप से लेकर अमेरिका तक राम ही राम, दुनिया को एकता की सूत्र में पिराते श्रीराम

भगवान राम मयार्दा पुरुषोत्तम है। वे मयार्दा पुरूषोत्तम इसलिए कहे जाते हैं क्योंकि उनका आचरण मयार्दाओं का पालन करके सुखमय जीवन जीने का सन्देश देता है। श्रीराम के जीवन से हमें करुणा, सौम्यता, दयाभाव, धार्मिकता, समरसता और सत्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्राप्त होती है। उनके शासनकाल को रामराज्य इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनका शासन लोककल्याण और न्याय के सिद्धांतों का पालन करते हुए उत्तम शासन का प्रतीक है। समाज हो या परिवार, पुत्र, भाई, पति और राजा के रूप में, राम सबको आदर्श सिखाते हैं। राम की व्यापकता और स्वीकार्यता की भी यही वजह है। दुनिया के विभिन्न देशों में राम को अलग-अलग स्वरूपों में देखा जाता है। 'सबके राम' का यह स्वरूप वर्तमान में अयोध्या में जीवंत हो रहा है, वहीं पूरी दुनिया में इसे महसूस किया जा सकता है। पूरा विश्व उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रहा है। दक्षिण पूर्वी एशियाई देश हों या फिर यूरोप, अमेरिका तक धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर से लेकर यूरोप के एफिल टावर तक पर देखने को मिलेगा। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 21 जनवरी के दिन राम रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूरे यूरोप से एक हजार से अधिक भाग लेंगे। इतना ही नहीं एफिल टावर के पास उत्सव मनाया जाएगा। इसी तरह अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर पर 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। नॉर्थ अमेरिका से लेकर कनाडा तक के मंदिरों में पूजन और दीपोत्सव किया जाएगा। अमेरिका में कैलिफोर्निया के साथ ही वाशिंगटन, शिकागो और अन्य शहरों में विशाल कार रैली भी आयोजित की जा रही है। 50 से अधिक देशों में बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम लाइव देखा जा सकेगा। आंकड़ों की मानें तो अमेरिका में 300 जगह, ब्रिटेन में 25, ऑस्ट्रेलिया में 30, कनाडा में 30, मॉरीशस में 100 के अलावा आयरलैंड, फिजी, इंडोनेशिया और जर्मनी समेत 50 से अधिक देशों में बड़े पैमाने पर रामलला प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किए जाने की तैयारी है। अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, फिजी समेत 50 देशों के प्रतिनिधियों को भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अयोध्या आने का निमंत्रण पत्र दिया गया है। इतना ही नहीं मुस्लिम बहुल देशों में भी प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गजब का उत्साह दिख रहा है। इंडोनेशिया और सऊदी अरब में भी लाइव टेलिकास्ट किया जाएगा। विश्व हिंदु परिषद के अनुसार दुनिया के 160 ऐसे देश हैं जहां हिंदू धर्म के लोग रहते हैं। वहां विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इनमें शोभायात्रा, हवन पूजन, हनुमान चालीसा पाठ है। दरअसल, राम भारत ही नहीं विश्व चेतना के आधार हैं। विश्व इतिहास और विश्व साहित्य में भी राम और रामकथा बहुप्राचीन एवं बहुप्रचलित है। जापान में 'होबुत्सुशू', इंडोनेशिया में 'काकाविन रामायण', थाइलैंड में 'रामकियेन', म्यांमार में 'रामवस्तु', 'राम-ताज्या', 'राम- तात्यो', 'थिरी राम', 'पोन्तव राम' तथा 'थामाध्ये' (रामलीला नाटक), कम्बोडिया में 'रामकेर', फिलीपीन्स में 'महारादिया लावना', मलेशिया में 'मलय रामायण, 'हिकायत सेरी राम', लाओस में 'फालम', मंगोलिया में राम ग्रंथ मिलते हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे प्राचीन और सर्वाधिक महत्वपूर्ण राम कथा केंद्रित कृति प्राचीन जावानी भाषा में विरचित रामायण का काबीन है, जिसकी तिथि नौवीं शताब्दी से पहले की है। इसके रचयिता महाकवि योगीश्वर हैं। 15वीं सदी में इंडोनेशिया के इस्लामीकरण बावजूद वहां जवानी भाषा में सेरतराम, सेरत कांड, राम केलिंग आदि अनेक रामकथा काव्यों की रचना हुई जिनके आधार पर अनेक विद्वानों द्वारा वहां के राम साहित्य का विस्तृत अध्ययन किया गया है। इंडोनेशिया के बाद हिंद-चीन भारतीय संस्कृति का गढ़ माना जाता है। इस क्षेत्र में पहली से पंद्रहवीं शताब्दी तक भारतीय संस्कृति का वर्च रहा। यह सर्वथा आश्चर्य का विषय है कि कंपूचिया के अनेक शिलालेखों में रामकथा की चर्चा हुई है, किंतु वहां उस पर आधारित मात्र एक कृति रामकेर्ति उपलब्ध है। उससे भी अधिक आश्चर्य का विषय यह हे कि चंपा (वर्तमान वियतनाम) के एक प्राचीन शिलालेख में वाल्मीकि के मंदिर का उल्लेख है। लाओस के निवासी आज भी स्वयं को भारतवंशी मानते हैं। वे मानते हैं कि कलिंग युद्ध के बाद उनके पूर्वज इस क्षेत्र में आकर बस गये थे। लाओस की संस्कृति पर भारतीयता की गहरी छाप है। यहां रामकथा पर आधारित चार रचनाएं उपलब्ध है। दक्षिण पूर्व एशिया समेत अन्य देशों में राम कथा का व्यापक असर देखा जा सकता है। आम जन मानस की जिंदगी में राम के चरित्र की छाप दिखती है। शायद तभी न्यूयार्क के मेयर एरिक एडम्स ने कहा भी कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सिर्फ भारत ही नहीं, न्यूयार्क में दक्षिण एशियाई और इंडो कैरेबियाई समुदायों के हिंदुओं के लिए भी जश्न मनाने का मौका है। प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर नेपाल से 3 हजार से अधिक उपहार अयोध्या पहुंच रहे हैं। जनकपुर से सीता जी के लिए साड़ी, चांदी के जूते, आभूषण आदि उपहार भेजे गए। श्री लंका ने अशोक वाटिका से विशेष पत्थर अयोध्या भेजा है। मारीशस ने तो अपने यहां 22 जनवरी को अवकाश घोषित किया है। बकायदा, 2 घंटे का विशेष अवकाश पूजा पाठ के लिए प्रदान किया गया है। राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम में कुल 7 हजार से अधिक मेहमान शामिल होंगे। इसमें बड़ी संख्या में विदेशी मेहमान भी होंगे। गेस्ट लिस्ट में अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका सहित 53 देशों के मेहमानों के नाम शामिल हैं।

व्रत एवं त्यौहार — जनवरी 2024

पर्व	तिथि	वार
ससियो	22 जनवरी	सोमवार
भोमप्रदोष	23 जनवरी	मंगलवार
भद्रा	24 जनवरी	बुधवार
पौष पूर्णिमा	25 जनवरी	गुरुवार
गणतंत्र दिवस	26 जनवरी	शुक्रवार
शनि द्वितिया	27 जनवरी	शनिवार
रवि तृतीया	28 जनवरी	रविवार

पौष पूर्णिमा

वर्ष 2024 में 25 जनवरी को पौष पूर्णिमा है। हिंदू धर्म में इसका सर्वाधिक महत्व है। यह तिथि चंद्रमा को बहुत प्रिय है और इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण आकार में होता है लेकिन इस दिन सूर्यदेव को भी अर्ध्यदेने का विशेष महत्व है। संयोग से इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। लोग काशी, हरिद्वार, प्रयागराज में स्नान के बाद सूर्यको अर्घ्य देते हैं। 25 जनवरी को सूर्य उदय होने के बाद यानि के दोपहर को अभिजीत मुहूर्त भी बन रहा है जो बहुत ही शुभ है।

राग और द्वेष से बचना होगा

श्रीमद्भगवद् गीता - सुगम हिंदी व्याख्या

प्यारे लाल त्रिवेदी

इन्द्रिय-इन्द्रिय के अर्थ में अर्थात् प्रत्येक इन्द्रिय के प्रत्येक भोग में राग और द्वेष छिपे हुए स्थित हैं। मनुष्य को उन दोनों के वश में नहीं होना चाहिए, क्योंकि वे दोनों ही मनुष्य के पारमार्थिक मार्ग में विघ्न डालने वाले महान् शत्रु हैं।।

प्रति इन्द्री के विषय निराले-भोगी विषयों के मतवाले रहते छिपे सदैव विषय में-राग द्वेष दोउ प्रति उपाय में करते विघ्न शत्रु सम घातक-ये परमार्थ मार्ग में बाधक अत: सतर्क साधना करना-राग द्वेष से बचकर रहना

सम्बन्ध - राग-द्वेष के वश में न होकर क्या करना चाहिये और क्या नहीं?

भली प्रकार से आचरण में लाये हुए दूसरे के धर्म से गुणों की कुछ कमी वाला भी अपना धर्म उत्तम है। अपने धर्म में तो मरना भी कल्याणकारी है किन्तु दूसरे का धर्म भय को देने वाला है।।

दोहा - अनुष्ठान विधि से किया, भी न श्रेष्ठ परधर्म किन्तु कम गुणों युक्त भी, उत्तम सदा स्वधर्म मंगलकारी मृत्यु भी, यदि स्वधर्म की राह भयदायक पर धर्म का पालन अरु निर्वाह ।।

स्व का वास्तविक अर्थ आत्मा-आत्मतत्त्व ज्ञाता महात्मा आत्मा संबन्धित जो कर्म हैं- उनको ही स्वधर्म कहते हैं ज्ञान भक्ति अरु कर्म योग जगत शरीर बुद्धि अरु मन भोग मान अरु संग्रह ही-वास्तव में स्वधर्म हैं ये ही भी-इनसे संबन्धित जो कुछ भी करना-जन्म आदि परधर्म समझना शास्त्र विहित निज धर्म नित्य है-शरीर अरु सुख दुख अनित्य हैं यदि वर्णाश्रम करें विवेचन-सहज स्वधर्म बोध अरु पालन जो परधर्म अनुसरण करता-निज वर्णाश्रम से वह गिरता

सम्बन्ध - स्वधर्म और परधर्म के विषय में अर्जुन का प्रश्न। अर्जुन उवाच

अर्जुन बोले - हे कृष्ण ! तो फिर यह मनुष्य स्वयं न चाहता हुआ भी हठपूर्वक लगाये हुये की भाँति किससे प्रेरित होकर पाप का आचरण करता है?।।

दोहा - किया प्रश्न तब पार्थ ने, हे माधव भगवान। ऐसा कारण कौन है, जो इतना बलवान ।।

यदि मनुष्य नहिं चाहता, करना पातक आप। उससे किन्तु हठात् जो, करवा देता पाप।।

सम्बन्ध - भगवान का उत्तर

श्रीभगवान बोले-रजोगुण से उत्पन्न हुआ यह काम ही क्रोध है। यह ही महाअशन अर्थात् अग्नि के समान भोगों से न तृप्त होने वाला और बड़ा पापी है। हे अर्जुन ! इस विषय में तू इसको ही वैरी जान ।।

बोले कृष्ण सुनो हे अर्जुन-इसका काम क्रोध ही कारन उपजे काम रजोगुण से ही बन जाता है क्रोध भी यही जो मैं चाहूं वह हो जाये-यही प्रवृत्ति काम कहलाये काम महान पाप करवाता - भोगों में आसक्ति कराता काम कभी भी तृप्ति न पाता-दुख का मूल यही बन जाता यदि कामना पूर्ण हो जाती-तृष्णा और अधिक बढ़ जाती जब अवरोध काम में आता-तब काम ही क्रोध बन जाता यह कल्याण मार्ग में बाधक-अतिशय प्रबल शत्रु दुखदायक

सम्बन्ध - यह पाप है इस जानकारी का प्रभाव आचरण में न आने का कारण।

जैसे धुएं से अग्नि और मल से दर्पण ढक जाता है और जैसे जेर से गर्भ ढका रहता है, उसी प्रकार उस काम के द्वारा यह ज्ञान ढका रहता है।।

दोहा - धुआं ढके ज्यों अग्नि को, गर्भ को झिल्ली चाम। मल दर्पण को ढके त्यों, ज्ञान को ढकता काम।। परमात्मा की प्राप्ति में, बाधक यही त्रिदोष।

मल विक्षेप व आवरण, मूल काम ही दोष ।।

और हे अर्जुन! अग्नि के समान कभी तृप्त न होने वाले तथा ज्ञानियों के नित्य शत्रु इस काम के द्वारा मनुष्य का ज्ञान ढका हुआ है ।।

जितना ही घृत ईंधन पाती-उतनी अग्नि मनुष्य ज्यों ज्यों विषय भोगता-अग्नि समान कभी काम की तृप्ति न होती-विषयों से प्रबल हो जाती काम भी बढ़ता विरक्ति नहिं होती वैरी नित्य ज्ञानियों का यह ढक देता विवेक उनका यह सम्बन्ध - ज्ञानियों के नित्य-वैरी काम के रहने के स्थान।

सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज — निरंकारी बाबा हरदेव सिंह

किस तरह से होता है कल्याण

कल्याण किस तरह से होता है ये भी महापुरुष ध्यान दिलाते हैं।

हमने अपना भी जीवन कल्याणकारी करना है और बाकियों के लिए प्रार्थना कि सबका हो कल्याण कि इस भवसागर में डूबें नहीं, यह हीरे जैसा जीवन पाकर कौड़ियों के भाव बिकें नहीं, इनका भला हो। भला हो कि प्यार बना रहे, मिल वर्तन बना रहे, इसी में भलाई छिपी हुई है। एक कुदरत के तमाम सिलसिले चलायमान हैं। यह मालिक जो ठहरा हुआ है, वही हमें ठहराव दे सकता है। जो इस परमात्मा के साथ मन का नाता जोड़ लेता है, वही आनंद, सुकून और चैन प्राप्त करता है। इन्सान अक्सर नासमझी के कारण ठहराव का मतलब वीरानों में चले जाना समझ लेता है। असल में जीवन में ठहराव का मतलब है क्रियाशील होने के बावजूद मन में ठहराव होना। बहनें कुएं से पानी भरकर घर तक लाती हैं, गागर भर कर लाना उनका उद्देश्य होता है। रास्ता ऊबड़-खाबड़ होता है, पगडंडियां भी होती हैं, कई जगह ऊंचा-नीचा स्थान भी होता है। वे सिर पर दो-दो गागर रखे हुए एक-दूसरी से बातचीत भी करती हैं लेकिन इसके बावजूद सूक्ष्म रूप में उनका ध्यान गागर की तरफ ही होता है। वे ऐसा संतुलन बनाती हैं कि चलते हुए भी उस गागर का पानी गिरने नहीं देती। वे संतुलन बनाये रखने के लिये न बोलना छोड़ती हैं न चलना छोड़ती हैं और न सुनना छोड़ती हैं। यह सब क्रियाएं करने के बावजूद उन्हें यह अहसास बना रहता है कि उनके सिर पर गागर है, उस गागर में पानी है और वह पानी कहीं छलक न जाये। इसी प्रकार, संतजन अपने सभी सांसारिक कर्त्तव्य निभाते हुए इस ठहरे हुए परमात्मा के साथ नाता जोड़ कर जीवन जीते हैं, तभी इनके मन को ठहराव मिलता है।

सत्-मिथ्या में क्या है भेद

जैसे वंध्या का पुत्र न था, न है, न होगा और न उसका होना भासता है।

निवेदन : यह तो ठीक कि वंध्या का पुत्र न था, न है, किंतु पश्चात में पैदा हो सकता है। फिर तो होगा भी व भासेगा भी। फिर आपने कैसे कहा कि असत् वंध्या पुत्र नहीं भासेगा?

मार्गदर्शन : यदि वंध्या के पुत्र पैदा हो गया तो फिर वह वंध्या ही न रही, क्योंकि हमारा उदाहरण तो वंध्या पुत्र का है।

निवेदन : सत् व मिथ्या में क्या भेद है?

मार्गदर्शन : सत् था, सत् है, सत् रहेगा और भासता भी है। मिथ्या न था, न है, न रहेगा, किंतु भासता है। तात्पर्य यह कि सत् और मिथ्या का तीन अंश में भेद है। केवल एक भासने अंश में मेल है, क्योंकि सत् का होना तो भासता ही है और मिथ्या का होनाभी भासता है। जैसे वर्तमान में 'मैं युवक हूं' में मैं की प्रतीति।

निवेदन : कोई उदाहरण देकर समझाइए।

मार्गदर्शन : जैसे मिट्टी मकान बनने से पूर्व भी थी, मकान बनने पर भी है, मकान गिरने पर भी रहेगी और मिट्टी का मकान है। इस मकान के कण-कण में मिट्टी ओत-प्रोत है।

मिट्टी भासती भी है, इसलिए मिट्टी सत् है, किंतु मकान बनने से पूर्व मकान नहीं था, गिरने के पश्चात मकान नहीं रहेगा, वर्तमान में भी वास्तव में मकान नहीं है। मिट्टी ही अंदर-बाहर कण-कण में व्याप्त रही है, किंतु फिर भी मकान न होते हुए भी होने जैसा प्रतीत हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि मकान खड़ा है, किंतु वास्तव में मिट्टी ही ईंट व दीवार आदि के रूप में प्रतीत हो रही है, इसलिए मिट्टी सत् व मकान मिथ्या है। मकान नहीं खड़ा है अपितु नाना नाम रूप में मिट्टी का ढेर पड़ा है।

निवेदन : मिथ्या व असत् में क्या अंतर है?

मार्गदर्शन : मिथ्या व असत् का तीन अंश में मेल है। केवल एक भासने वाले अंश में भेद है।

पल-पल बीत रहा है समय

दीदी मां ऋतंभरा

पल-पल, क्षण-क्षण समय बीतता जा रहा है। हमने अपने एक-एक पल को गुरुदेव के सान्निध्य में समर्पण द्वारा सार्थक करना है। जन्मने-मरने वाले इस जगत में सद्गुरु का प्रयास है कि जो अजन्मा है हम उसे जानें और उस परम आनंद को प्राप्त कर उसे भोगें। कभी-कभी जब हम संतों एवं अपने जैसे लोगों की तुलना करते हैं तो लगता है कि संत त्यागी नहीं बल्कि परम विलासी हैं, जिन्होंने कंकड़-पत्थरों को त्यागकर कोहिनूर हीरे को अपना लिया। ऐसा करने वाला क्या त्यागी हो सकता है? वह तो परम विलासी है लेकिन ऐसा परम विलासी हमारी तरह विषयों को नहीं भोगता, बल्कि वह तो आत्मा में रमण करता है, अपने स्वरूप के गहरे सागर में निमग्न हो जाता है। भागना बहुत आसान है लेकिन प्रतिकूलताओं में, संघर्ष में टिकना बहुत बड़ी साधना है। वस्तुत: पलायनवाद तो मन की कायरता के कारण होता है और पलायनवाद से परमात्मा नहीं मिलता। गहरे सागर में गोता लगाने की यह कला क्या है? सुख और दु:ख से परे का परमानन्द पाना जो कभी स्खलित नहीं होता, अनुकूलताओं और प्रतिकूलताओं के दौर में भी नहीं। संसार में वैभव ज्यादा मिले या कम, हमारी बादशाहत में कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए, क्योंकि परमात्मा की कायनात की बादशाहत यदि आपके पास है तो उससे बड़ा तो कुछ है ही नहीं। संसारी कायनात इधर मिली और उधर छीन ली जाएगी? ये तो दूसरों के हाथों की 'गुलाम बादशाहत' के जैसा है। हम स्वयं के स्वामी बनें अपने स्वरूप का आह्वान करें, आपके भीतर सारे आकाश को अपनी बाहों में समा लेने की क्षमता है, उसे अर्जित करें। जहां भी 'मैं' पन या 'मेरे' पन का ठप्पा लगेगा वहीं दु:ख प्रकट होगा। हमारे दु:खों का कारण भी यही है। चाहे हमारी बहुत ऊंची स्थिति हो, बहुत ऊंचा ज्ञान हो और फिर चाहे हम संतों के चरणों में ही क्यों न बैठते हों फिर भी प्रारब्धजन्य कष्ट तो भोगने ही पड़ेंगे। हमारा बहुत से सत्संगी ऐसे हैं जिनका कष्ट देखने पर हमारा हृदय भी उद्वेलित होने लगता है लेकिन प्रारब्ध के भोग तो परम ज्ञानियों को भी भोगने पड़ते हैं। ये संचित कर्म हैं जो सुख-दु:ख बनकर हमारे सामने खड़े हो जाते हैं, हमारा बेटा बनकर, हमारी बेटी बनकर, हमारा पति बनकर।

गुरुओं के संबंध में सुन कर ही अपने संतों का मूल्य समझ आता है

खल वंदना के पश्चात गोस्वामी तुलसीदास जी संत व असंत की वंदना करते हैं। संत एवं असंत के मध्य तुलना करके, वे वास्तव में संतों की ही महिमा गान कर रहे हैं। जैसे हमारे पास अगर केवल स्वर्ण आभूषण ही पड़े हों, तो हो सकता है, कि हम उनकी और अधिक ध्यान न दें। लेकिन अगर कोई हमसे कहे, कि भाई हम तो बड़े अभागे हैं, हमारे पास तो केवल पीतल ही पीतल है। इसके आभूषण इतने भारी हैं, कि इसके झुमके कोनों में डालें, तो कान ही लटक जाते हैं। ऊपर से इसकी चमक भी ऐसी है, कि पल भर में भंडा फूट जाता है, कि हमारे आभूषण स्वर्ण के नहीं, अपितु पीतल के हैं। सज्जनों पीतल की ऐसी विवेचना सुनने के पश्चात, अब आपको महसूस होगा, कि आपके पास भी जो स्वर्ण के आभूषण हैं, वे कितने सम्मान के हकदार हैं। इसी प्रकार हो सकता है, कि हम किन्हीं संतों के संपर्क में हों। लेकिन उनके पास अधिक आना जाना न हो। हम उन्हें भले ही निंदक भाव से न देखते हों, लेकिन उनको प्राथमिकता में भी नहीं रखते हों। ऐसे में अगर कोई हमें बताये, कि हमारे वहाँ तो संत के वेष में एक ऐसा राक्षस है, कि हम उससे अतिअंत परेशान हो चुके हैं। उस असंत के डेरे में हर रोज गुण्डों का जमावड़ा हुआ रहता है। भाँति-भाँति प्रकार के वहाँ नशे होते हैं। नारियों का तो रत्ती भर भी सम्मान नहीं है। लेकिन भाई साहब आप तो अच्छे भाग्यशाली हैं, जो इतने महान संतों के शिष्य हैं। अपने गुरुओं के संबंध में ऐसा सुनकर, हमें अपने संतों का मूल्य समझ में आता है, कि हम अज्ञानी हैं, जिन्होंने ऐसे महान संतों का सान्धिय होने के पश्चात भी उनसे कोई आध्यात्मिक लाभ नहीं लिया।

गोस्वामी जी भी हमें ऐसे ही उदाहरणों से समझा रहे हैं। वे कहते हैं-

उपजहिं एक संग जग माहीं।
जलज जोंक जिमि गुन बिलगाहीं।।
सुधा सुरा सम साधु असाधु।
जनक एक जग जलधि अगाधु।।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

देश भर में अपनी अमृत धारा से सत्य की अनुभूति देशवासियों को कराने वाले राष्ट्र संत गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सौजन्य से लाखों लोग लाभ उठा रहे हैं उनके प्रवचनों पर आधारित यह ज्ञान गंगा पाठकों का कल्याण करेगी ऐसा विश्वास है।

संपत्ति और विपत्ति

आपकी याद के बिना मिलने वाली संपत्ति भी विपत्ति है और वह विपत्ति मेरे लिए संपत्ति है जिसमें आपकी याद बनी रहे-

वर मांगने को जब कहा कुंती से श्रीकृष्ण ने,
विपत्तियां मुझको मिलें भूलूं न जिससे मैं तुम्हें।
सुख-ऐश्वर्य पा के कहीं भूले न मन आपको,
उस सुख से अच्छा दुख है, हो श्रद्धा तो ऐसी हो।
सुख-चैन तेरे भीतर है

आइए, इसी क्रम में मानव-जीवन की अद्भुत एवं विलक्षण यात्रा पर भी तनिक विचार-विमर्शकरें।

वैसे तो मानव-योनि नि:संदेह अनन्यतम है, अस्तु इस योनि में जीवन-यात्रा भी अन्य समस्त योनियों की अपेक्षा सहज और सुखद होनी चाहिए लेकिन क्या कारण है कि आज का मानव सदैव चिंताग्रस्त, समस्याग्रस्त एवं विषादग्रस्त ही रहता है। उसकी जीवन-यात्रा कंटकाकीर्ण बन चुकी है। अन्य समस्त प्राणियों को देखें-वे अपने होने में ही सुखी हैं, चहचहा रहे हैं लेकिन प्रकृति की यह सर्वोत्तम रचना; क्या हो गया है इसे? कौन सा श्राप लग गया है इसको? जब भी देखो उदास, हताश, निराश! कारण यही है कि यह दिशा से भ्रमित हो चुका है, सुख की यथार्थ राह को छोड़कर चल रहा है दुखों वाली राह पर। बस फिर यात्रा तो अपने आप दुखद होगी ही और अंत में रोकर, पश्चाताप के आंसू बहाते हुए स्वयं को ही सचेत करना पड़ेगा यह कहते हुए-

नादान दिल तूने रुलाया
बहुत मुझको दर-बदर,
तेरे कारण बन गया
जीवन मेरा दुख का सफर।
रखकर तमन्ना चैन की
बेचैन कितना हो गया,
सुख-चैन तेरे भीतर था
हाय कहां तू खो गया।

बाइबल की कहानियां

जीसस पानी पर चले

जिसस लोगों को और अपने शिष्यों को चमत्कार दिखाया करते थे। ऐसा करने का मुख्य कारण यह था कि लोग और उनके शिष्य पूरी तरह से उनपर विश्वास नहीं करते थे कि जीसस ही ईश्वर के पुत्र है। ऐसे में लोगों का विश्वास जीतने के लिए उन्हें इतने सारे चमत्कार करने पड़े। इसी तरह से उन्होंने अपने शिष्यों के सामने एक और चमत्कार करके दिखाया। उन्होंने अपने शिष्यों के सामने पानी पर चलकर दिखाया। उस दिन, 5000 लोगों को ढेर सारी रोटी और मछलिया खिलाने के बाद वहां से जाने का समय हो चूका था। जीसस वहां अपनी नाव से आए थे। इसीलिए उन्होंने अपने शिष्यों ने नाव को खोजने के लिए भेजा। जब उनके शिष्य नाव लाने चले गए तो जीसस उनसे दूर होकर एक पहाड़ के ऊपर प्रार्थना करने चले गए। जीसस ने अपनी प्राथना ख़तम कि और जब वे वापस झील के तट पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि नाव तट से दूर जा पंहुचा था और उनके शिष्य भी उस नाव पर थे।

उस वक्त बहुत तेज़ हवा चल रही थी। तेज़ हवा कि वजह से ही उनका नाव झील के तट से दूर चला गया था। जीसस को उस नाव तक पहुंचना था। अब जीसस ने पानी में चलना शुरू कि और वे चलते गए। ज़रा सोच कर देखिये कि वह नज़ारा कैसा रहा होगा जब जीसस पानी पर चले होंगे। जीसस चलते चलते उस नाव के नज़दीक पहुंचे। दूसरी तरह उनके शिष्यों ने उन्हें देखा लेकिन वे नहीं समझ पा रहे थे कि वह क्या था? उनमे से एक ने कहा कि वहां एक भूत है। वे सब डर रहे थे। जीसस ने चिल्ला कर कहा, मैं यहां हूं। डरो नहीं! इसके बाद उन्होंने पीटर को बुलाया। पीटर नाव से निकलकर जीसस कि ओर जाने लगा। लेकिन तेज़ हवा ने उसका ध्यान भटका दिया और वह पानी में गिर गया।

प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर भव्य राम शोभा यात्रा निकाली गई

प्रखर वाराणसी। थाना बड़ागाव वाराणसी स्थित ग्राम गजेपुर पतेर वाराणसी मे श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समिति खण्ड-बड़ागाव काशी जिला द्वारा बड़े उत्साहपूर्वक 22 जनवरी अयोध्या धाम मे एतिहासिक छण श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष मे जागरण हेतु भव्य दिव्य राम शोभा यात्रा निकाला गया जिसमें श्री त्रिलोक जी मा.सह विभाग संघ चालक काशी द्वारा माता जानकी राम जी के झांकी का आरती उतारकर राम ध्वज द्वारा श्रीगणेश या किया गया महा राम रैली यात्रा बड़ागाँव खण्ड के गजापुर पतेर से होकर चीलबिला कुडी होते हुये बड़ागाँव ब्लॉक से गांग कला पुष्प वर्षा जनता दर्शन पूजन के साथ होते हुये साधो गंज बाजार में आरती की गयी उसके बाद भिटी चौराहे पर स्कूल की बच्चियो द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया तत्पश्चात विराव कोट राम जानकी मन्दिर पर पूजन आरती किया गया, हसनपुर साईपुर चौराहा होते हुये सियरहा ग्राम सभा में पूजन आरती कर कुरु होते हुए कार्यक्रम स्थल पर श्री गुलाब सिंह के अध्यक्षता महा सभा मे मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी विभाग माननीय संघ चालक डा0 जे. पी.लाल जी द्वारा राम के मर्यादित चरित्र पर प्रकाश डालते हुए युवावो को प्रेरित किया गया माननीय ने कहा यह एतिहासिक भारत के संस्कृति संस्कार सांस्कृतिक जीवन स्वाभिमान के उदय का छण है सम्पूर्ण विश्व के सनातनी राम राज्य की आशा मे आनन्दित है भगवान राम का चरित व राष्ट्र का चरित एक दूसरे के पूरक है त्याग वलिदान राम मन्दिर से राष्ट्र निर्माण सबको राम ज्योति जलाकर दीपावली मनाने के लिए किया प्रेरित राम सभा मे प्रमुख रूप से खण्ड संघ चालक प्रेम गुप्ता खण्ड अभियान संरक्षक सत्येंद्र सिंह प्रमुख, कार्यक्रम संयोजक आनंद प्रकाश जी सह अभियान प्रमुख संजीव जी, सह जिला कार्यवाह ब्रजभूषण जी ,खण्ड कार्यवाह रवि जी, कार्यक्रम आयोजक-डॉ मनीष जी ए. आर हास्पिटल बाबतपुर, प्रखंड अध्यक्ष सुभाष मनोज सिंह रत्नेश सिंह रंजन गुप्ता शचीन्द्र विक्रांत मिश्रा ग्राम प्रधान मंगल सिंह, जितेंद्र अनुज सिंह घमहापुर समेत गांव समाज से धार्मिक सामाजिक हजारो राम भक्त अपनी बाइक लेकर गृह सम्पर्क अभियान समिति के आवाहन पर उत्साह पूर्वक कुल 25 किलोमीटर की महा राम रैली यात्रा मे बड़े सामंजस्य से प्रतिभाग किया सामाजिक सद्भाव समरसता सहभोज खिजड़ी महा प्रसाद डा मनीष सिं ह के सौजन्य से सभी ने ग्रहण किया धर्म जागरण मनोज सिंह के सौजन्य से हनुमान चालीसा वितरण व सभी राम सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया संचालन -आनन्द प्रकाश सिंह ने किया।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि मनाई गई

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर समाजवादी चिंतक विचारक छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र पुण्यतिथि समारोह पूर्वक मनाई गई। आए हुए लोगों ने उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। समाजवादी चिंतक एवं विचारक छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र पुण्यतिथि पर जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया और जिसमें सपा के जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने उनके जीवन पर जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह लोगों के लिए जीते थे । वह हम लोगों के लिए प्रेरणा के स्वरूप रहेंगे। पूर्व मंत्री दीपचंद सोनकर एवं पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव ने उनके जीवन चाल मे उनके द्वारा कराए गए सामाजिक योगदानों के बारे में लोगों को बताते हुए जीवन चरित्र प्रकाश डाला। इस अवसर पर विवेक रंजन यादव ,अमित यादव उनके विचारों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राजेश यादव, हीरालाल विश्वकर्मा, निजामुद्दीन, हिसामुद्दीन, संजीव साहू ,बरसातू राम, धर्मराज यादव, रामू मौर्या ,राम इकबाल, वीरेंद्र यादव ,पूनम मौर्या, दीपक जायसवाल, रत्नाकर चौबे, पंकज मिश्रा ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र यादव ने किया।

सुंदरकांड और प्रसाद वितरण के साथ राममय हुई भिटहा गांव की गलियां, समाज सेवी उदय प्रताप चतुर्वेदी ने प्रभु की आरती कर चरणों में टेका माथा

प्रखर संतकबीरनगर। प्राण-प्रतिष्ठा के दिन हर राम भक्तों में राम की धुन सुनाई दे रही थी, वही भिटहा गांव में समाज सेवी उदय प्रताप चतुर्वेदी के नेतृत्व में तथा छोटे भाई राकेश चतुर्वेदी के सानिध्य में भिटहा गांव के सभी राम भक्तो के मुंह से मयार्दा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र की चौपाई रघुपति राघव राजाराम पतित पावन सीताराम सुंदर विग्रह मेघाश्याम गंगा तुलसी शालीग्राम भद्रगिरीश्वर सीताराम भगत-जनप्रिय सीताराम जानकीरमणा सीताराम जय जय राघव सीताराम का गुणगान मुखारविंद से सुनाई दे रहा था लग रहा है कि आज ही के दिन भगवान श्री रामचंद्र जी लंका से

विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे हैं भिटहा गांव के चतुर्वेदी परिवार के घर के प्रांगण में सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन आज प्रातः काल से ही विधि विधान पूर्वक से पाठ सुंदरकांड और कीर्तन के साथ राम नाम का जाप हुआ। आज अयोध्या में श्री राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा एक तरफ हो रहा था, वही दुसरी तरफ संतकबीरनगर जिले के भिटहा गांव में समाज सेवी उदय प्रताप चतुर्वेदी के घर के प्रांगण में रामनाम का जाप, सुंदरकांड, कीर्तन श्रीराम स्थापना महोत्सव में सुंदर कांड पाठ करते हुए पुरोहित पंडित, पुजारी सहित चतुर्वेदी परिवार के सभी सदस्यों ने पूजा अर्चना कर राम नाम का पाठ कर आरती प्रसाद वितरण कर भंडारे का आयोजन किया गया।

प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर पर जानकी नगर कालोनी के नागरिकों द्वारा श्री हनुमानजी के मंदिर पर भजन, लाइव प्रसारण, हवन एवं भंडारे का आयोजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। अयोध्या धाम में आयोजित प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर पर सोमवार को जानकी नगर कालोनी वाराणसी के नागरिकों द्वारा कालोनी स्थित श्री हनुमानजी के मंदिर पर भजन, लाइव प्रसारण,कीर्तन,हवन एवं भंडारे का कार्यक्रम आयोजित किए जाने के संबन्ध में 22 जनवरी 2024 को अयोध्या धाम में आयोजित प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर पर जानकी नगर कालोनी, वाराणसी के नागरिकों द्वारा कालोनी स्थित श्री हनुमान जी के मंदिर पर भजन, कीर्तन, हवन एवं भंडारे का कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरिकिर्तन कार्यक्रम में जानकी नगर कॉलोनी सहित आसपास के सैकड़ों माताएं बहनें और स्थानीय निवासी शामिल हुए` सभी प्रभु श्री राम की भक्ति में तल्लीन रहते हुए भजन कीर्तन किया गया इसके बाद हनुमान मंदिर के पण्डित श्री गंगाधर पांडे के नेतृत्व में सभी राम भक्तों ने हवन पूजन किया और भंडारे का प्रसाद भी ग्रहण वितरित किया जायेगा` अयोध्या में चल रहे कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की भी व्यवस्था की गई है। जानकी नगर विकास समिति, पटिया,वाराणसी के ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से सत्येन्द्र प्रकाश सिंह, देवेन्द्र प्रताप सिंह,आर के सिंह,अनिल श्रीवास्तव, कमलेश सिंह, भुवनेश्वर मिश्र,आर एन श्रीवास्तव, रणजीत सिंह, के0 के0 पाण्डेय,वेद प्रकाश राय,बी एन सिंह,अमित राय,सतीश उपाध्याय, बृजेश जैसवाल,के के सिंह,जितेन्द्र सिंह,भीम सिंह यादव, एस एस पाण्डेय,जय प्रकाश पाण्डेय, विनोद शर्मा,एस पी सिंह सहित हजारों की संख्या में कॉलोनी वासी उपस्थित रहे। जानकी नगर विकास समिति वाराणसी के उपाध्यक्ष सत्येन्द्र प्रकाश सिंह ने बताया की अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा से पूरे देश में सनातन धर्म और संस्कृति को विस्तार मिला है और पूरी काशी राममय हो गई है।

रामलला विराजमान से लोगों में दिखा उत्साह दीपोत्सव मनाने की तैयारी

प्रखर महराजगंज। नगर पंचायत बृजमनगंज में भगवान प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के इस पावन दिन पर दीपावली की तरह हर घर सजने के लिए मिट्टी के दीये मोमबत्ती और झंडे से सजी दुकानें 550 वर्षों की आस हुई पूरी। आज भगवान प्रभु श्री राम का अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम देश के सबसे प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र दामोदरदास मोदी जी द्वारा किया गया। इस अवसर के साक्षी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ जी महाराज के साथ देश की बड़ी-बड़ी हस्तियां शामिल रही।पूरे नगर पंचायत में उत्साह एवं उल्लास का माहौल दिखाई दे रहा है मां भद्रकाली संगठन के द्वारा दोपहर एक बजे जूलूस का कार्यक्रम भी निकाला गया । अबीर गुलाल के साथ होली खेलते हुए नगर भ्रमण किया ।जूलूस मे सभासद मनोज जायसवाल, सभासद प्रद्युम्न सिंह रवि वर्मा सूरज वर्मा गोविंद वर्मा गुड्डू जायसवाल रितेश जायसवाल सहित अनेक युवा मौजूद रहे। नगर पंचायत के कई मंदिरों पर सुंदर पाठ व कीर्तन का कार्यक्रम रखा गया पूरा नगर राममय हो गया है।समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता

एवं पूर्व प्रधान दिलीप चौधरी ने प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर क्षेत्र की जनता को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह बड़े सौभाग्य का दिन है कि आज मैं अपनी आंखों से प्रभु श्री राम के मंदिर निर्माण एवं रामलाल के विराजमान प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देख रहा हूं। नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने क्षेत्र की जनता से निवेदन किया कि आज इस पावन पर्व अपने अपने घर के दरवाजे पर दीप प्रज्वलित कर पूरे नगर को दिवाली की तरह सजाएं।

अयोध्या में आये राम काशी बोली जय श्री राम

प्रखर वाराणसी । श्री अग्रसेन युवा मंच द्वारा आयोजित श्रीराम आगमन यात्रा का हुआ भव्य आयोजन । प्रभु श्रीरामलला को पालकी पर सवार कर लेकर निकले भक्तगण । हाथों में लिए हनुमत ध्वजा भजनों की धुन पर थिरकते कदम सभी रहे राममय हुआ सम्पन्न हुआ आयोजन । अस्सी स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर से निकली श्रीराम आगमन यात्रा से राममय हुआ क्षेत्र । संयोजक शिव बारात समिति से दिलीप सिंह ने बताया कि प्रातः गणेश पूजन कर गंगा जल से शुद्ध कर प्रभु को विराजमान किया गया । ततपश्चात स्वयम्भू सिद्धेश्वर महादेव का दर्शन पश्चात शोभायात्रा को प्रारम्भ किया गया । काशी के राममय होने में एक कदम श्री अग्रसेन युवा मंच एवं शिव बारात समिति का भी रहा ।

समाजसेवी जगदम्बा तुलस्यान ने कहा प्रभु के स्वागत को लेकर स्वागतकर्ता अति उत्साहित होकर प्रभु की राह में प्रतीक्षा किये एवं आरती पुष्पवर्षा प्रसाद वितरण कर

अपने खुशी एवं सौभाग्य का वर्णन किये ।

मंच अध्यक्ष अतुल अग्रवाल श्याम के दास ने बताया कि काशी में अनेकों शोभायात्रा निकल रहीं हैं । श्रीराम आगमन यात्रा ही ऐसी यात्रा रही जिसमें प्रभु को पालकी में सवार कर भक्त अपने कन्धों पर लेकर चले । शोभायात्रा में श्री रामस्वरूप धारण कर आए बच्चे विहान अग्रवाल ने सभी भक्तों के बीच में प्रभु श्री राम की उपस्थिति का एहसास कराया एवं सभी का आकर्षण किंटाइट होने का एक केंद्र बनाया रामस्वरूप में उपस्थित होकर भक्तों की निगाहें भक्तों के कदम एक पल को थम गए जैसे साक्षात प्रभु राजबान हो गए हो साक्षात प्रभु आशीर्वाद देने आए हो इसी भाव से भक्तों ने उन्हें प्रणाम किया एवं चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया

महामंत्री सौरभ अग्रवाल ने बताया कि प्रभु काज में मंच के कार्यकर्ता हर्षद अग्रवाल, ह्रदेश अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, स्नेहा अग्रवाल एवं अन्य कई की की अहम भूमिका रही ।

शोभायात्रा में श्री अग्रसेन कन्या इंटर कॉलेज की प्रबन्धक ऋतु गर्ग श्री काशी अग्रवाल समाज के भण्डार मंत्री मनीष गुप्ता, श्री श्याम दरबारी मण्डल के मंत्री अभिषेक अग्रवाल एवं अन्य कई गणमान्य की उपस्थिति रही ।

कार्यकारिणी कमेटी प्रमुख हर्षद अग्रवाल ने बताया कि शोभायात्रा को सुन्दरता प्रदान करने में सोशल मीडिया प्रभारी अक्षत श्रीवास्तव, शिवांशु की अद्भुत भूमिका रही जिसके लिये उन्हें अंगवस्त्र पहना कर सम्मानित किया गया ।

भगवान महावीर पब्लिक सीनियर सेकेंड्री स्कूल बंगा में हाईस्कूल और इंटर के छात्रों की सफलता के लिए किया गया हवन पूजन

प्रखर डेस्क। सोमवार के दिन अर्थात 22 जनवरी को भगवान महावीर पब्लिक सीनियर सेकेंड्री स्कूल बंगा में दसवीं और बारहवीं के छात्रों की परीक्षा में सफलता के लिए विद्यालय परिवार की ओर से हवन पूजन किया गया। इस हवन में श्री सूक्त एवं पुरुष सूक्त का भी उच्चारण किया गया।आज का दिन भी किसी सौभाग्य से कम नहीं था उधर मृगशिरा नक्षत्र अभिजीत मुहूर्त में हमारे आराध्य भगवान श्री राम विराजमान हुए। और इधर पहले

परीक्षार्थियों की सफलता के लिए हवन पूजन किया गया,फिर जैसे ही श्री राम जी के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शुरू हुआ ,प्रत्येक छात्र छात्राओं को आधुनिक माध्यम से दिखाया गया,जिससे कि उनमें अपनी संस्कृति के बारे में संचार और विस्तार हो सके।भगवान श्री राम ने स्वयं कहा है की - जन्मभूमि मम पुरी सुहावनि ।उत्तर दिसि बह सरजू पावनि।। जा मज्जन ते बिनहिं प्रयास-ा। मम समीप नर पावहिं बासा।।

अर्थात

यह सुहावनी पुरी(अयोध्या) मेरी जन्मभूमि है।इसके उत्तर दिशा में पवित्र सरयू नदी बहती है,जिसमें स्नान करने से मनुष्य बिना ही परिश्रम मेरे समीप निवास पा जाते हैं। ऐसे श्री राम के दिव्य भव्य स्वरूप का दर्शन सभी विद्यार्थियों को कराया गया और उसके तुरंत बाद विद्यालय में ही सभी को प्रसाद वितरित किया गया। पूजन का कार्यक्रम दीपक पाण्डेय के आचार्यत्व में संपन्न हुआ।

संक्षिप्त खबरें

बीजेपी के बूथ अध्यक्ष डॉ. चंद्रभूषण यादव के पिता का निधन

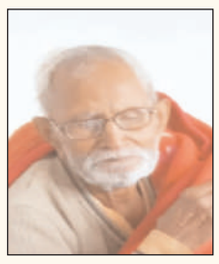

प्रखर चंदवक जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के बंतरी गांव निवासी पेशे से चिकित्सक व भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष डॉ चंद्रभूषण यादव के पिता सांचू यादव का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन के बाद लोग उनके आवास पर पहुंचे पिता के अंतिम दर्शन के बाद बूथ अध्यक्ष को ढांढस बढ़ाए। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष डॉ चंद्रभूषण यादव क्षेत्र के प्रसिद्ध चिकित्सक हैं। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के दायित्व को पिछले कई वर्षों से निभा रहे हैं। बीजेपी के लोगों सहित गांव के आसपास के लोग शोक संवेदना व्यक्त करने उनके आवास पर लगातार आ रहे हैं।

संस्था के द्वारा किया गया भक्तिमय कार्यक्रम

प्रखर वाराणसी। सेवा निधि न्यास संस्था द्वारा अजगरा गांव में भक्तिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं और पुरुषों ने अपना अमूल्य योगदान दिया। संस्था के सचिव रविश द्विवेदी ने बताया अयोध्या में हमारे आराध्य श्री रामलला के आगमन के उपलक्ष में ये कार्यक्रम रखा गया है। प्रभु राम के आगमन से प्रदेश की जनता प्रसन्न है। दया, मैत्री और अपनों का सम्मान यदि सीखना हो तो प्रभु श्री राम को आत्मसात करना होगा। कार्यक्रम का आयोजन सूबेदार द्विवेदी, संयोजन बेबी सिंह ने किया। कार्यक्रम में शिवांश द्विवेदी, मनीष द्विवेदी ने सहियोग प्रदान किया। इस भक्तिमय कार्यक्रम में हरिओम सिंह, काजल सिंह, बच्चा सिंह, मिथिलेश सिंह व ग्राम के अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अभूतपूर्व क्षण को पौधारोपण कर अविस्मरणीय बनाया

प्रखर रामनगर वाराणसी। स्थानीय पंचवटी के समीप स्थित पंपासर पोखरा के पास श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अभूतपूर्व क्षण को अविस्मरणीय बनाने के लिए पौधारोपण हुआ। नगर के युवा समाजसेवी शुभम सिंह के नेतृत्व में विशिष्टोत्सव के यादगार पल को पौधारोपण कर स्वर्णिम बनाया गया। इस मौके पर शुभम सिंह ने कहा कि जड़ चेतन में राम रमे है। प्रभु श्री राम का चरित्र हमें परोपकार तथा जनकल्याण की प्रेरणा देता है।इस अवसर प्रमुख रूप से भाजपा पार्षद ललन सोनकर, श्याम सेठ, दुर्गा शरण, सुरज सिंह, शिव शरण, अंकित राय असद अली खान रहें।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर करणी सेना द्वारा भव्य शोभायात्रा एवं प्रसाद वितरण का आयोजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। अयोध्या में हो रहे भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार को करणी सेना द्वारा गुरुधाम कॉलोनी स्थित श्री राम जानकी मंदिर से एक भव्य शोभा यात्रा निकाला गया जिसमें वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों से आए करणी सेना के पदाधिकारी ने शिरकत किया` शोभा यात्रा श्री राम जानकी मंदिर परिसर से निकलकर गुरुधाम कॉलोनी होते हुए गुरुधाम चौराहे पर पहुंची जहां प्रभु श्री राम की भव्य आरती उतारी गई एवं लोगों में प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्वांचल प्रभारी विवेक सिंह राठौड़ एवं अभिनव पांडे मीडिया प्रभारी सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

सविंधान न्याय और विश्वास दिलाता है : डॉ वीरेंद्र

पिंडरा। लोकजन सोशलिस्ट पार्टी के बाबतपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय पर सोमवार को विभिन्न राजनीतिक दलों एवं सामाजिक संगठनों के नेताओं के साथ संविधान प्रस्तावना दिवस मनाया गया। इस दौरान लोजसोपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने कहाकि देश की एकता, अखंडता, अछुन्नता एवं सुरक्षा का हम संकल्प लेते हैं । संविधान की प्रस्तावना पंडित जवाहरलाल नेहरु द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव पर आधारित है जिसे 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा बनाया गया। उन्होंने कहा कि संविधान हमें हक अधिकार एवं अपने सम्मान को कायम रखती है । संविधान हमें अपने हक अधिकार एवं राजनीतिक अधिकार दिलाती है उन्होंने कहाकि संविधान का मुख्य लक्ष्य गरीबी अज्ञानता बीमारी और अवसर की गैर समानता को समाप्त करना है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं